WWW.NAVPRADESH.COM

दैनिक नव प्रदेश

आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्

प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर... 2 | देश विदेश 4 | अभिव्यक्ति 5 | आस-पास 7 | खेल/ बिजनेस

RNI NO - MPHIN/2017 /72749 भोपाल, सोमवार 8 दिसंबर 2025 , कृष्ण पक्ष चतुर्थी , विक्रम संवत -2082 , वर्ष -9 अंक -203 पृष्ठ -08 मूल्य-4 भोपाल, जबलपुर, रायपुर, बिलासपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

रक्षामंत्री ने रणनीतिक महत्व की 125 परियोजनाएं राष्ट्र को सौंपी, 28 सड़कें, 93 पुल शामिल

नई दिल्ली (आईएएनएस) लद्दाख में दारबुक-श्योक-दौलत बेग ओल्डी रोड पर निर्मित, 900 मीटर लंबी श्योक टनल शुरू की गई है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लद्दाख में श्योक टनल के साथ-साथ यहां से सीमा सड़क संगठन की 125 रणनीतिक महत्व की अवसंरचना परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित किया है।

इन परियोजनाओं में 28 सड़कें, 93 पुल और 04 अन्य सामरिक अवसंरचना परियोजनाएं शामिल हैं। ये परियोजनाएं 7 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों में फैली हुई हैं। 920 मीटर लंबी श्योक टनल को रक्षा मंत्री ने दुनिया के सबसे कठिन और चुनौतीपूर्ण इलाकों में निर्मित इंजीनियरिंग मार्वल बताया।

उन्होंने बताया कि यह टनल भारी बर्फबारी, हिमस्खलन और अत्यधिक तापमान वाले इस क्षेत्र में सुरक्षा, मोबिलिटी और विशेषकर कड़ाके की ठंड के दौरान सैन्य तैनाती क्षमता को भी कई गुना बढ़ाएगी। इस अवसर पर रक्षा मंत्री ने कहा, 'ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, हमारे सशस्त्र बलों और सिविल प्रशासन के साथ, बॉर्डर एरिया के नागरिकों का जो समन्वय देखने को मिला, वह भी शानदार था। मैं लद्दाख के साथ-साथ बॉर्डर एरिया के हर नागरिक को हमारे सशस्त्र बलों का सहयोग देने के लिए आभार प्रकट करता हूं। यह समन्वय ही हमारी पहचान है। हमारा आपसी जुड़ाव ही हमें दुनिया में सबसे अलग पहचान दिलाता है। रक्षामंत्री ने कहा, अभी कुछ ही महीने पहले हमने देखा, जब पहलगाम के दुर्दांत आतंकी हमले का जवाब देते हुए, हमारे सशस्त्र बलों ने ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया, और आतंकियों का क्या हश्र किया, यह दुनिया जानती है। वैसे करने को तो हम

बहुत कुछ कर सकते थे, लेकिन हमारी सेनाओं ने पराक्रम के साथ-साथ धैर्य का भी परिचय देते हुए, उतना ही किया जितना आवश्यक था। इतना बड़ा ऑपरेशन इसलिए संभव हो पाया, क्योंकि हमारी कनेक्टिविटी मजबूत थी। हमारे सशस्त्र बलों के पास, सही समय पर लॉजिस्टिक को पहुंचाया जा सका। बॉर्डर एरिया के साथ भी हमारी कनेक्टिविटी बनी रही। जिसने ऑपरेशन सिन्दूर को ऐतिहासिक सफलता दी।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने बताया कि लद्दाख के साथ-साथ आज जम्मू कश्मीर, चंडीगढ़, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम, पश्चिम बंगाल, अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम में भी अन्य परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित की जा रही हैं। लगभग 5,000 करोड़ रुपये की लागत से पूरे हुए ये 125 प्रोजेक्ट्स बीआरओ के इतिहास में अब तक का सबसे हाईएस्ट-वैल्यू इनॉगरेशन है। इतनी बड़ी संख्या में, यानी 125 इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट की शुरुआत एक साथ कभी भी नहीं हुई। यह अपने आप में बीआरओ के लिए और हम सबके लिए एक बड़ी उपलब्धि है। ■ शेष पृष्ठ 6 पर

आज बेबाक

पाकिस्तान के आर्मी चीफ आसीम मुनीर जो फेल मार्शल साबित होने के बाद भी फील्ड मार्शल का तमगा हथियाने में कामयाब हो गये थे अब वे असीम शक्तियों के मालिक बन बैठे हैं। उन्होंने कट्टे की नोक पर पाकिस्तान के पहले चीफ ऑफ डिफेन्स फोर्स का पद भी हासिल कर लिया है। वे अब वे पूरे पांच साल तक पाकिस्तान के सीने पर मूंग दलेंगे और अपनी मनमानी करेंगे। अब तो पाकिस्तान में एक ही नीति चलेगी कि न खाता न बही जो आसीम मुनीर कहें वही सही। पाकिस्तान के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री तो अब आसीम मुनीर का हुक्का ही भरेंगे।

नाइट क्लब में आग, 25 मौतें

■ प्रधानमंत्री राहत कोष से प्रत्येक मृतक के परिवार को दो लाख देने की घोषणा

पणजी (वार्ता)। गोवा के उत्तरी क्षेत्र में स्थित अरपोरा गांव में एक नाइट क्लब में शनिवार देर रात आग लगने से करीब 25 लोगों की मौत हो गयी तथा कुछ घायल हो गये। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार आग नाइट क्लब की रसाई में गैस सिलेंडर फटने से लगी। मृतकों में अधिकतर क्लब के कर्मचारी हैं। दुर्घटना के कुछ देर बाद मुख्यमंत्री प्रमोद सांवत ने घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने दुर्घटना की जांच के आदेश दिये है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दुर्घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है और प्रधानमंत्री राहत कोष से प्रत्येक मृतक के परिवार को दो लाख रूपये तथा घायलों को पचास -पचास हजार रुपये की राशि देने की घोषणा की है।

राष्ट्रपति और पीएम ने दुख जताया, अनुग्रह राशि देने का ऐलान

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गोवा के अरपोरा में हुए भयावह अग्निकांड पर रविवार को गहरा दुख और शोक प्रकट किया।

राष्ट्रपति मुर्मू ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'उत्तरी गोवा ज़िले में आग लगने की दुखद घटना से बहुत दुख हुआ। इसमें कई कीमती जानें चली गईं। पीड़ित परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। भगवान उन्हें इस मुश्किल समय में हिम्मत दे। मैं घायलों के जल्द ठीक होने की प्रार्थना करती हूं।

प्रधानमंत्री मोदी ने इस दुर्घटना में हुई मौतों पर दुख जताते हुए घायल लोगों के जल्द ठीक होने की भी कामना की। प्रधानमंत्री ने बताया कि उन्होंने स्थिति के बारे में गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत से बात की है। केंद्र सरकार इस त्रासदी से प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता दे रही है।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर लिखा,'गोवा के अरपोरा में आग लगने की घटना बहुत दुखद है। मेरी संवेदनाएं उन सभी के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है। घायल जल्द से जल्द ठीक हों। स्थिति के बारे में गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत जी से बात की। राज्य सरकार प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता दे रही है।'

प्रधानमंत्री ने प्रत्येक मृतक के परिजनों को दो लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की भी घोषणा की। प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया पर लिखा,'गोवा के अरपोरा में हुई घटना में प्रत्येक मृतक के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शोक व्यक्त किया

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने गोवा के अरपोरा इलाके में हुई भीषण आग दुर्घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर आज पोस्ट साझा करते हुए पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदनाएँ प्रकट कीं।मुख्यमंत्री ने लिखा कि दुर्घटना अत्यंत दुखद है और जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएँ हैं। उन्होंने ईश्वर से घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की और शोकाकुल परिवारों को इस कठिन घड़ी से उबरने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार की संवेदनाएँ गोवा के भाई-बहनों के साथ हैं। गोवा सीएम ने अग्निकांड के लिए अनदेखी को जिम्मेदार ठहराया गोवा के उत्तरी इलाके आरपोरा में बने 'बर्च बाय रोमियो लेन नाइटक्लब में भीषण आग लगने की घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर 23 हो गई है। मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने इस त्रासदी के लिए शुरुआती तौर पर अग्नि सुरक्षा नियमों के गंभीर उल्लंघन को जिम्मेदार ठहराया है। आग लगने से पहले के क्षणों का एक नया वीडियो सामने आया है, जिसमें दिख रहा है कि कैसे आग की लपटों ने कुछ ही सेकंडों में पूरे परिसर को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे अंदर मौजूद कलाकारों और कर्मचारियों में भगदड़ मच गई। फुटेज में छत से आग की लपटें निकलते हुए दिखाई दे रही हैं। इसके तुरंत बाद डांसर और अन्य कर्मचारी मौके से भागते नजर आते हैं। थोड़ी ही देर में धुएं से पूरा स्थान भरने लगता है। वीडियो में कोई भी अग्नि-सुरक्षा प्रणाली सक्रिय होती हुई दिखाई नहीं देती है।

पुलिस ने बताया कि यह आग सिलेंडर फटने से लगी। गोवा पुलिस नियंत्रण कक्ष को रात 12:04 बजे आपातकालीन कॉल मिली, जिसके बाद बचाव दल तुरंत मौके पर भेजे गए। पुलिस महानिदेशक ने पुष्टि की कि आग पर काबू पा लिया गया है और

इंडिगो की मुश्किलें बढ़ीं

डीजीसीए ने अब अकाउंटेबल मैनेजर को जारी किया कारण बताओ नोटिस

नई दिल्ली (आईएएनएस)। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने रविवार को इंडिगो के अकाउंटेबल मैनेजर को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इससे पहले ठीक इसी तरह का नोटिस नियामक एयरलाइन के सीईओ पीटर एल्बर्स को जारी कर चुका है। विमानन नियामक ने कहा कि इंडिगो द्वारा हाल ही में बड़े पैमाने पर उड़ानों को रद्द करने से देश भर के यात्रियों को गंभीर असुविधा और परेशानी हुई है। डीजीसीए के अनुसार, इस बड़ी समस्या के पीछे का मुख्य कारण एयरलाइन द्वारा संशोधित फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन (एफडीटीएल) नियमों के सुचारू क्रियान्वयन के लिए उचित व्यवस्था करने में विफलता है। ये नियम, जो उड़ान चालक दल के कार्य घंटों और विश्राम अवधि को नियंत्रित करते हैं और हाल ही में लागू हुए हैं, जिससे इंडिगो के लिए बड़ी परिचालन चुनौतियां पैदा हो गई हैं। नोटिस में, नियामक ने कहा कि ■ शेष पृष्ठ 6 पर

इंडिगो संकट पर पायलटों का खुला पत्र

देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो इन दिनों बड़े परिचालन संकट से जूझ रही है। इसी बीच सोशल मीडिया पर इंडिगो पायलटों का एक कथित ओपन लेटर आया है, जिसमें सीईओ पीटर एल्बर्स समेत कई शीर्ष अधिकारियों पर एयरलाइन को डूबने की कगार पर पहुंचाने का आरोप लगाया गया है। यह पत्र किसी अनाम कर्मचारी द्वारा लिखा दावा किया गया है, जो खुद को वर्षों से इंडिगो की अंदरूनी स्थिति का गवाह बताता है। पत्र में कहा गया है कि इंडिगो एक दिन में नहीं गिरी, यह गिरावट कई वर्षों से बन रही थी। कथित खुले पत्र की शुरुआत 2006 में इंडिगो की स्थापना के जिक्र से होती है। लेखक का दावा है कि वर्षों के साथ कंपनी की शुरुआती ग्रोथ लालच ■ शेष पृष्ठ 6 पर

दक्षिणी यूनान के तट पर प्रवासियों से भरी नाव डूबी, 18 की मौत

एथेंस (वार्ता)। यूनान में क्रेते के दक्षिणी तट पर प्रवासियों से भरी एक नाव के पलट जाने से कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई। यूनान के सार्वजनिक प्रसारक ईआरटी ने शनिवार को यह जानकारी दी। यह नाव द्वीप के दक्षिणी तट पर स्थित इरापेट्रा शहर से लगभग 26 समुद्री मील (48.2 किमी) दक्षिण में डूब गई। हेलेनिक तटरक्षक बल के अनुसार, दो जीवित बचे लोगों को पानी से बचा लिया गया। बचाव दल क्षेत्र में अभियान जारी रखे हुए हैं और गश्ती नौकाएं समुद्र से शव बरामद कर रही हैं।

सौरभ लूथरा और गौरव के खिलाफ एफआईआर

पणजी। गोवा के नाइट क्लब में आग लगने की घटना में 25 लोगों की मौत हुई है। इस मामले में अरपोरा-नागोआ पंचायत के सरपंच रोशन रेडकर को हिरासत में लिया गया है। इसके अलावा पुलिस ने नाइटक्लब के मालिक सौरभ लूथरा और गौरव के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। बता दें कि नाइट क्लब एक अस्थायी निर्माण पर चल रहा था और इसके निर्माण में बड़े पैमाने पर ताड़ की पत्तियों का इस्तेमाल हुआ था, जिसके चलते आग तेजी से भड़की।

नेपाल में चुनाव की तैयारी शुरु

राजनीतिक दलों की रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरू

काठमांडू (आईएएनएस)। नेपाल में अगले साल होने वाले आम चुनाव को लेकर सुगबुगाहट अब तेज हो गई है। नेपाल में अगले साल 5 मार्च 2026 को चुनाव होने जा रहा है। संसदीय चुनाव लड़ने के लिए प्रपोर्शनल रिप्रजेंटेशन (पीआर) सिस्टम के तहत राजनीतिक पार्टियों का रजिस्ट्रेशन रविवार से शुरू हो गया। नेपाल के प्रतिनिधि सभा के सदस्यों का चुनाव दो तरीकों से होता है। प्रतिनिधि सभा के सदस्य फर्स्ट-पास्ट-द-पोस्ट (एफपीटीपी) और पीआर सिस्टम, दोनों के जरिए चुने जाते हैं। नेपाल के निचले सदन में 275 सदस्य हैं। नेपाल के संविधान के अनुसार 275 सदस्यों में से 165 सदस्य एफपीटीपी सिस्टम के तहत और 110 सदस्य पीआर सिस्टम के तहत चुने जाते हैं।

हमारी रक्षा प्रणाली को चीन ने दो बार बनाया निशाना : जापान

टोक्यो (वार्ता/स्पूतनिक)। चीनी जे-15 लड़ाकू विमानों के दो बार जापान की वायु-रक्षा प्रणाली को निशाना बनाने के बाद चीन और जापान के बीच जारी तनाव गहरा गया । जापान के रक्षा मंत्री शिनजिरो कोइज़ुमी ने रविवार तड़के यह दावा किया।

पीएम मोदी ने पुतिन को भेंट की कश्मीरी केसर

■ जम्मू-कश्मीर के किसानों की उम्मीदें बढ़ी

अनंतनाग (आईएएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक दर्शाने वाले विशेष तोहफे भेंट किए। इन उपहारों में कश्मीर का मशहूर केसर और भगवद्गीता का रूसी संस्करण शामिल रहा। यह उपहार न केवल भारत की कला, आध्यात्मिकता और परंपरा को दर्शाते हैं बल्कि दोनों देशों के सांस्कृतिक संबंधों को और सुदृढ़ करते हैं। कश्मीर के बुरहान दीन ने आईएएनएस से बातचीत में इस कदम पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह गर्व का विषय है कि प्रधानमंत्री मोदी ने पुतिन को कश्मीरी केसर उपहार में दिया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी को जम्मू-कश्मीर के लोगों से विशेष लगाव है। वह चाहें तो कोई कीमती वस्तु भेंट कर सकते थे, लेकिन उन्होंने कश्मीर की पहचान केसर को चुना। यह हमारे लिए सम्मान की बात है। मैं किसानों से अपील करता हूं कि वे केसर की पैदावार बढ़ाएं, क्योंकि अब यह दुनिया के शीर्ष नेताओं तक पहुंच चुका है। सामाजिक कार्यकर्ता सईद अख्तर हुसैन ने कहा कि कश्मीर की हर वस्तु अनमोल है और उसी अनमोलता का प्रतीक यहां का केसर है।

सीएम यादव से मिले छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने भोपाल प्रवास के दौरान रविवार की शाम समत्व भवन, मुख्यमंत्री निवास में सौजन्य भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्री विष्णु साय का स्वागत किया और उन्हें विक्रमादित्य घड़ी भेंट की।

गरमा-गरम

आत्म समर्पण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के समक्ष बालाघाट में 10 इनामी नक्सलियों ने किया समर्पण

सतत निगरानी, सघन जांच और कार्रवाई से तेज़ी से घटा है नक्सली दायरा : सीएम यादव

जो कानून की राह अपनाते हैं, उनके पुनर्वास की चिंता सरकार करेगी

जनवरी 2026 तक लाल सलाम को आखरी सलाम

आत्म समर्पण करने वाले नक्सलियों को प्रदान की संविधान की प्रति

मुख्यमंत्री ने की पुलिस अधिकारियों ओर जवानों की हौसला अफजाई

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में नक्सलवाद के सफ़ाये की दिशा में एक बड़ी सफलता मिली है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के समक्ष बालाघाट में रविवार को 10 नक्सलियों ने आत्म समर्पण किया, जिनमें 4 महिला नक्सली भी शामिल हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उन्हें संविधान की प्रति प्रदान कर मुख्यधारा से जोड़ा। आत्म समर्पण करने वाले नक्सलियों ने अपने हथियार मुख्यमंत्री को सौंपे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह द्वारा निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप सरकार जनवरी 2026 तक मध्यप्रदेश को नक्सल मुक्त करने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि एक भी व्यक्ति को हथियार उठाने की अनुमति नहीं है। मुख्यमंत्री ने नक्सलियों से आह्वान किया कि वे सरकार की पुनर्वास नीति अपनाएं। सरकार उनके जीवन को सुरक्षित करने, विकास सुनिश्चित करने और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए हर संभव प्रयास करेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों और जवानों की हौसला अफजाई करते हुए कहा कि एंटी नक्सल अभियान को लगातार सशक्त और सुदृढ़ किया जा रहा है। प्रदेश में 15 नवीन अस्थायी कैंप और विशेष सहयोगी दस्ता के 882 पद स्वीकृत किए गए हैं। सतत निगरानी, सघन जांच और कार्रवाइयों से प्रदेश में नक्सली दायरा तेज़ी से घटा है। उन्होंने कहा कि पुनर्वास के लिए नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में पिछले वर्ष 46 एकल सुविधा केंद्र खोले गए। इन केंद्रों के माध्यम से रोजगार, वन अधिकार पत्र और अन्य आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शहीद आशीष शर्मा की वीरता को नमन करते हुए कहा कि ■ शेष पृष्ठ 6 पर

■ न्यूज गैलरी

जमीन और स्वयं का स्वास्थ्य ठीक रखने के लिए प्राकृतिक खेती अपनाना आवश्यक है - उप मुख्यमंत्री

बसामन मामा गौअभ्यारण्य प्राकृतिक खेती माडल 25 दिसंबर को होगा शुभारंभ

रीवा/नवप्रदेश। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने बसामन मामा गौअभ्यारण्य में किसानों से संवाद करते हुए कहा कि जमीन और स्वयं को स्वास्थ्य रखना है तो हमें प्राकृतिक खेती को अपनाना होगा। नाम मात्र की लागत वाली इस खेती के लाभ कई हैं। बसामन मामा गौअभ्यारण्य में श्री श्रीरविशंकर जी की संस्था आर्ट आफ लिविंग के स्वयंसेवकों द्वारा प्राकृतिक खेती का माडल तैयार किया जा रहा है। इसके साथ-साथ किसानों को प्राकृतिक खेती का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। बसामन मामा गौअभ्यारण्य 10 हजार से अधिक गौवंश को आश्रय देने के साथ-साथ प्राकृतिक खेती के भी केन्द्र के रूप में भी तेजी से विकसित हो रहा है। हम प्राकृतिक खेती को अपनाकर ही पर्यावरण, जमीन और भावी पीढ़ी के जीवन को सुरक्षित रख पायेंगे।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि बसामन मामा गौअभ्यारण्य में मल्टीलेवल क्रापिंग, औषधि पौधों की खेती, प्राकृतिक विधि से अनाज, फल, सब्जी और फूलों की खेती को वितसित किया जा रहा है। प्राकृतिक खेती प्रकल्प का 25 दिसंबर पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी बाजपेयी के जन्मदिवस पर समारोह पूर्वक शुभारंभ किया जायेगा। जिस किसान के पास 10 एक जमीन है वह एक एक में जिसके पास 50 एक जमीन है वह 10 एक मे प्राकृतिक खेती करें। इससे धरती में सूक्ष्म जीवों का जीवन सुरक्षित होता है। इन जीवों द्वारा मिटटी की जलधारण क्षमता में पोषकता में वृद्धि की जाती है। रासायनिक खाद के उपयोग से ये जीव नष्ट हो जाते हैं। प्राकृतिक खेती भारतीय परंपरा और प्राचीन ज्ञान पर आधारित है। इससे धरती और किसान दोनों का स्वस्थ्य अच्छा रहना है। आसपास के किसान गौशाला के प्राकृतिक खेती केन्द्र से जीवांमृत तथा अन्य प्राकृतिक खाद और कीटनाशक प्राप्त कर सकते हैं।

समारोह में आर्ट आफ लिविंग संस्था के प्रतिनिधि श्री बघेल ने प्राकृतिक खेती की जानकारी देते हुए कहा कि बसामन मामा गौअभ्यारण्य 10 हजार गौवंश और 150 गौसेवकों के साथ प्राकृतिक खेती का केन्द्र बन रहा है। इसकी चर्चा प्रदेश ही नहीं बल्कि पूरे देश में है। यह परिसर वृंदावन बन गया है। परिसर में शीघ्र ही नवनिर्मित मंदिर में भगवान कृष्ण और गाय की प्रतिमा लगाई जायेगी। गौअभ्यारण्य में प्राकृतिक खेती के पांच प्रकल्प वितसित किये जा रहे हैं। जिनमें उद्यानिकी फसलें, अनाज, फल और सब्जियों का उत्पादन होगा। इनके लिए गुड, बेसन और पानी से जीवांमृत बनाया जा रहा है। इसी तरह गुड, सब्जी और फल के छिलके तथा पानी से बायोएजाइंन बनाया जा रहा है। इसकी एक लीटर मात्रा एक हजार लीटर पानी में मिलाकर 2 एक क्षेत्र में उपयोग किया जा सकता है। उन्होंने अग्निहोत्र हवन, अग्निहोत्र वाटिका का निर्माण, जीवांमृत निर्माण की जानकारी दी।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने बसामन मामा में प्राकृतिक खेती प्रकल्प में बनाये जा रहे मल्टी लेवल क्रापिंग सिस्टम अग्निहोत्र वाटिका, गौशाला तथा औषधि पौधों के रोपण का अवलोकन किया। उप मुख्यमंत्री ने गोबर से खाद, गोकष्ठ तथा गोमूत्र से कीटनाशक बनाने की प्रक्रिया का भी अवलोकन किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक श्री के.पी. त्रिपाठी, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर, बसामन मामा प्रबंधन समिति की अध्यक्ष एसडीएम सिरमौर दृष्टि जायसवाल, सचिव डॉ. राजेश मिश्रा, आर्ट आफ लिविंग संस्था के प्रतिनिधि, स्थानीय जनप्रतिनिधिगण तथा किसान उपस्थित रहे।

शहर विकास से जुड़े प्रोजेक्टों में तेजी और गुणवत्ता के साथ कार्य किए जाएं

स्मार्ट सिटी के माध्यम से सचिन तेंदुलकर मार्ग का नवनिर्माण हो

ग्वालियर/नवप्रदेश। शहर के विकास से जुड़े महत्वपूर्ण प्रोजेक्टों का कार्य तेजी से और गुणवत्ता के साथ किया जाए ताकि शहरवासियों को बेहतर सुविधायें उपलब्ध हो सकें। सचिन तेंदुलकर मार्ग के नवनिर्माण का कार्य स्मार्ट सिटी के माध्यम से कराया जाए। इसके साथ ही विभागीय समन्वय के साथ विकास परियोजनाओं को तेजी के साथ अमलीजामा पहनाया जाए। क्षेत्रीय सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह ने रविवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में विकास कार्यों की समीक्षा बैठक में यह निर्देश दिए। कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष में विकास कार्यों की समीक्षा बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गेश जाटव, नगर निगम सभापति श्री मनोज तोमर, भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष श्री अभय चौधरी, कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान, नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय, अपर आयुक्त नगर निगम श्री प्रतीक राव सहित रेलवे जीर्णोद्धार कार्य से जुड़े रेलवे के अधिकारी, सेतु विकास निगम के अधिकारी, लोक निर्माण विभाग एवं अन्य विकास कार्यों से जुड़े अधिकारी उपस्थित थे। सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह ने समीक्षा के दौरान चंबल पेयजल परियोजना, रेलवे स्टेशन जीर्णोद्धार कार्य, सड़कों के नवनिर्माण, एलीवेटेड रोड सहित अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं की विस्तार से समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सांसद श्री कुशवाह ने कहा कि ग्वालियर के सचिन तेंदुलकर मार्ग के नवनिर्माण का कार्य 9 करोड़ रुपए की राशि से स्मार्ट सिटी के माध्यम से कराया जाए। इस महत्वपूर्ण सड़क का कार्य शीघ्रता से पूर्ण हो, ताकि नागरिकों को बेहतर आवागमन की सुविधायें उपलब्ध हो सकें। चंबल प्रोजेक्ट की समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा है कि ग्वालियर के नागरिकों को पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से चंबल पेयजल परियोजना बहुत ही महत्वपूर्ण परियोजना है। योजना के तहत पाइप लाइन बिछाने, फिल्टर प्लांट निर्माण एवं अन्य कार्यों को तेजी के साथ पूर्ण किया जाए, ताकि नागरिकों को पर्याप्त एवं शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जा सके। क्षेत्रीय सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह ने ग्वालियर रेलवे स्टेशन जीर्णोद्धार कार्य की समीक्षा के दौरान स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि स्टेशन के दोनों ओर पार्किंग निर्माण का कार्य सर्वप्रथम पूर्ण किया जाए ताकि नागरिकों को पार्किंग की बेहतर सुविधायें उपलब्ध हो सकें। इसके साथ ही जीर्णोद्धार के अन्य कार्य भी तेजी के साथ पूर्ण किए जाएं ताकि परियोजना समय-सीमा में पूर्ण हो और नागरिकों को बेहतर सुविधायें उपलब्ध हो सकें। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि कार्यों को पूर्ण करने की समय-सारिणी तैयार कर उस पर सख्ती के साथ अमल भी सुनिश्चित किया जाए। एलीवेटेड रोड की समीक्षा के दौरान सांसद ने निर्देशित किया कि एलीवेटेड रोड के प्रथम चरण का कार्य शीघ्रता से पूर्ण किया जाए। इस कार्य में अगर कोई कठिनाई है तो जिला प्रशासन एवं नगर निगम के अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर उसे तत्परता से पूर्ण करें।

युवाओं में नेतृत्व क्षमता को विकसित कर रहा है मुख्यमंत्री नेतृत्व विकास कार्यक्रम

रीवा/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के अंतर्गत आज बी.एस. डब्लू तथा एम.एस.डब्ल्यू. के समस्त विद्यार्थियों को राज्य कार्यालय से आए विशेषज्ञ कंसलटेंट भूषण तिवारी द्वारा तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया गया। तकनीकी सत्र में छात्रों को सामुदायिक नेतृत्व, सामाजिक उत्तरदायित्व, फील्ड वर्क की गुणवत्ता, कौशल विकास तथा कार्यक्रम की आगामी कार्ययोजना से अवगत कराया गया। कार्यक्रम के दौरान संभाग से संबंधित जन अभियान परिषद के संभाग समन्वयक श्री प्रवीण पाठक,ने छात्रों को आगामी समय मे जल संचय अभियान से जुड़कर जल संरक्षण का कार्य करने का आह्वान किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी श्री रामराज मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा गया कि, इस पाठ्यक्रम के माध्यम से सभी पंजीकृत युवाओं में नेतृत्व क्षमता का विकास होगा। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम से सीखे गए अनुभव, जीवन के हर क्षेत्र में उपयोगी होंगे। जिला समन्वयक श्री जागेश्वर ताम्रकार ने कार्यक्रम के उद्देश्यों, विद्यार्थियों की भूमिका तथा समुदाय में नेतृत्व क्षमता सुदृढ़ करने की आवश्यकता पर अपने विचार व्यक्त किए। साथ ही, मार्तण्ड क्रमांक-1 उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य जे पी जयसवाल सर एवं कार्यक्रम से जुड़े परामर्शदाता भी उपस्थित रहे। कंसलटेंट एवं अधिकारियों की उपस्थिति में संचालित कक्षाओं का निरीक्षण किया गया, जिसमें विद्यार्थियों की उपस्थिति, शैक्षणिक गतिविधियों, प्रशिक्षण की गुणवत्ता तथा प्रायोगिक कार्यों का विस्तृत मूल्यांकन किया गया। निरीक्षण के दौरान विद्यार्थियों को कार्यक्रम की महत्ता, समुदाय में सकारात्मक बदलाव लाने की भूमिका तथा नेतृत्व कौशल विकसित करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के प्रभारी और अन्य स्टाफ सदस्यों ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया और कहा कि इस प्रकार का मार्गदर्शन छात्रों के लिए अत्यंत उपयोगी और प्रेरणादायक है। अंत में, राज्य कार्यालय कंसलटेंट ने आगामी प्रशिक्षण सत्रों को और प्रभावी बनाने के सुझाव दिए तथा विद्यार्थियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु

जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिये जिला मुख्यालय पर प्रति रविवार जैविक सेतु कार्यक्रम का आयोजन होगा

नागरिकों को जैविक उत्पाद उपलब्ध कराए जायेंगे

ग्वालियर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप जैविक खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान की पहल पर जिला मुख्यालय पर जैविक सेतु कार्यक्रम प्रारंभ किया गया है। इसके तहत रविवार को संयुक्त कृषि परिसर रेसकोर्स रोड पर जैविक उत्पादों की बिक्री के लिये मेले का आयोजन किया गया। मेले में जिले के किसानों ने अपने-अपने खेत पर जैविक खेती के माध्यम से उत्पादित फल, सब्जी एवं अन्य सामग्री का न केवल प्रदर्शन किया बल्कि विक्रय भी किया। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने जैविक सेतु कार्यक्रम का शुभारंभ किया और जिले के किसान भाईयों से संवाद स्थापित कर जैविक खेती को बड़ावा देने का आग्रह भी किया। कार्यक्रम के अंतर्गत ग्वालियर जिले के आम नागरिकों को संयुक्त कृषि परिसर, रेसकोर्स रोड (मेला ग्राउंड के सामने) पर जैविक उत्पादों की बिक्री एवं क्रय के लिए विशेष स्थान उपलब्ध कराया गया है। इस पहल के माध्यम से जिले के जैविक कृषकों को अपने जैविक उत्पादों के प्रत्यक्ष विपणन का अवसर मिलेगा, जिससे किसानों को बेहतर मूल्य प्राप्त होगा तथा उपभोक्ताओं को शुद्ध, प्राकृतिक एवं रसायन-मुक्त कृषि उत्पाद आसानी से उपलब्ध हो सकेंगे। जैविक सेतु कार्यक्रम में इच्छुक किसान भाई अपने प्रमाणित या पारंपरिक जैविक तरीकों से उत्पादित कृषि उत्पादों की बिक्री हेतु आत्मा में अपने नाम, ग्राम का पंजीयन करा कर प्रत्येक रविवार निर्धारित स्थान पर पहुंचकर भाग ले सकते हैं। जिला प्रशासन का उद्देश्य जैविक खेती को प्रोत्साहित करते हुए स्वस्थ जीवनशैली, पर्यावरण संरक्षण, तथा किसानों की आय वृद्धि की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाना है। कार्यक्रम में किसान संघ के अध्यक्ष एवं सदस्य श्री वीरेंद्र शर्मा, श्री रामाधार सिंह कुशवाह, नंदकिशोर बघेल, कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, उद्यानिकी विभाग के अधिकारी व मछली पालन विभाग के अधिकारी मौजूद थे। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने किसानों द्वारा लगाए गए सभी स्टॉलों का भी अवलोकन किया और किसानों से उनके उत्पाद के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि जिला मुख्यालय पर प्रत्येक रविवार को इस प्रकार का मेला आयोजित किया जायेगा। इस मेले का व्यापक प्रसार-प्रसार कर नागरिकों से जैविक उत्पादों को अपनाने की अपील भी की जायेगी। उन्होंने किसान भाईयों से चर्चा करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा अनुरूप प्रदेश भर में जैविक खेती को बड़ावा देने का कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में ग्वालियर जिला मुख्यालय पर जैविक उत्पादों का कार्यक्रम जैविक सेतु प्रारंभ किया गया है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने किसान भाईयों से अपील की है कि वे स्वयं भी जैविक खेती को बढ़ावा दें। साथ ही अन्य किसानों को भी जैविक खेती के लिये प्रोत्साहित करें। उन्होंने कहा कि किसानों के कल्याण के लिये केन्द्र सरकार व प्रदेश सरकार की अनेक कल्याणकारी योजनायें संचालित हैं। इन योजनाओं का लाभ लेकर भी किसान अपनी आय को बढ़ा सकते

'स्वयं सिद्धि चैटबॉट' से सुदृढ़ हो रहा घर पर शैक्षिक अभ्यास

प्रदेश के विद्यार्थियों के लिए स्कूल शिक्षा विभाग की अभिनव पहल

सीहोर/नवप्रदेश। स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत राज्य शिक्षा केंद्र ने प्रदेश में शिक्षा के क्षेत्र में %स्वयं सिद्धि चैटबॉट' के रूप में महत्वपूर्ण नवाचार प्रस्तुत किया है। मोबाईल आधारित इस पहल का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि विद्यार्थी विद्यालय में पढ़ने के साथ-साथ घर पर भी नियमित अभ्यास कर सकें और सीखने की निरंतरता को किसी भी परिस्थिति में बाधा न बनने दे। बच्चों का घर पर सीखने की आदत को मजबूत बनाने की दिशा में एक प्रभावी कदम है। कोविडङ्क19 के समय जब विद्यालयों का संचालन बाधित हो गया था, तब राज्य शिक्षा केन्द्र के द्वारा विद्यार्थियों के लिए प्रारंभ किया गया 'स्वयं सिद्धि चैटबॉट' आज 12वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिये एक सफल पहल के रूप में स्थापित हो चुका है। उल्लेखनीय है कि 'स्वयं सिद्धि' चैटबॉट विद्यार्थियों को घर बैठे उच्च-गुणवत्ता की डिजिटल लर्निंग प्रदान कर रहा है। यह चैटबॉट हर शनिवार राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) द्वारा प्रमाणित नए प्रश्न उपलब्ध कराता है, इन प्रश्नों से विद्यार्थी अपनी समझ की जाँच कर पाते हैं। मोबाइल ऐप आधारित संवादात्मक प्रणाली पर तैयार यह स्विफ्ट चेट विद्यार्थियों को केवल ÷॥द्ध÷ लिखने पर प्रश्न, उत्तर, स्कोर और सुधारात्मक वीडियो तुरंत उपलब्ध कराती है। स्वयं सिद्धि चैटबॉट उपयोग लिंक- https://links.swiftchat.ai/zcNhlu है। स्वयं सिद्धि चैटबॉट को राज्य शिक्षा केन्द्र के मूल्यांकन प्रकोष्ठ द्वारा विकसित और संचालित किया जाता है। राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा सहयोगी संस्था कॉन्वेजीनियस के सहयोग से विकसित यह नवाचार न केवल विद्यार्थियों के सीखने की गुणवत्ता बढ़ा रहा है, बल्कि मूल्यांकन को भी अधिक वैज्ञानिक और

जैविक हाट की बढ़ रही लोकप्रियता जैविक उत्पादों को खरीदने बड़ी संख्या में पहुंचे लोग

कृषि उपज मंडी में लगातार दूसरे रविवार को लगा जैविक हाट

जबलपुर/नवप्रदेश। जैविक उत्पादों के प्रति लोगों में बढ़ते हुए रुझान को देखते हुए एक अनूठी पहल के तहत जिला प्रशासन एवं किसान कल्याण तथा कृषि विभाग के सहयोग से आज लगातार दूसरे रविवार को कृषि उपज मंडी जबलपुर के प्रांगण में साप्ताहिक जैविक हाट का आयोजन किया गया। जैविक हाट लोगों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। नागरिक अपने स्वस्थ के प्रति जागरूक हो रहे है और जमकर जैविक उत्पादों की खरीदारी कर रहे हैं, इससे किसान भी जैविक खेती का रकबा बढ़ाने एवं नए किसान जैविक खेती अपनाने के लिए प्रेरित हो रहे हैं।

उप संचालक कृषि डॉ एस के निगम ने बताया कि जैविक हाट में किसान कल्याण तथा कृषि विभाग, आत्मा परियोजना और एनआरएलएम से जुड़े किसानों द्वारा अपने उत्पादित जैविक सामग्री का विक्रय किया गया । जैविक हाट में पाटन के खजरी के श्री रघुवीर कृपा जैविक गुड उद्योग का जैविक गुड़ , बघराजी के शिवम विश्वकर्मा की पत्तेदार सब्जियां एवं शहद और नीबू , गोदावरी कृषि फार्म की सब्जियां, आटा ,चावल और घी, कृष्णपाल सिंग का अमरूद, पाटन के ग्राम मादा की मटर और चिया, महिला स्व-सहायता समूह की सदस्यों द्वारा लाई गई सब्जियां हाथों हाथ बिक गई। अर्चना प्राकृतिक खेती केन्द्र की तैयार खाद्य सामग्री में रागी इडली, मूंग स्प्राउट को लोगों ने बड़े मजे से खाया। टमाटर, लौकी, जिमिकंद विभिन्न प्रकार की पत्तेदार भाजी व अनाज भी जैविक हाट में उपलब्ध रहे। अनुविभागीय अधिकारी कृषि श्रीमती प्रतिभा गौर , वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी पनागर पंकज शर्मा , कृषि विभाग पनागर से मोनिका झा, सुषमा झरिया आकांक्षा राय, सुजाता सिंह ,कीर्ति अहिरवार आत्मा योजना से राजू दोहरे एवं दीपमाला आर्या ने हाट बाजार के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उप संचालक कृषि डॉ निगम ने बताया कि जैविक हाट आगामी रविवार को भी लगाया जायेगा। उन्होंने सभी खरीदारों से अनुरोध किया की आगामी रविवार से अपने साथ कपड़े का थेला अवश्य लेकर आयें।

इंदौर जिले में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का शत-प्रतिशत लक्ष्य पूर्ण, आगामी चरण की तैयारियों पर विस्तृत चर्चा

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री शिवम वर्मा की अध्यक्षता में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ समीक्षा बैठक सम्पन्न

इन्दौर/नवप्रदेश। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री शिवम वर्मा की अध्यक्षता में आज इंदौर जिले में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण कार्यों की समीक्षा के लिए कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में मान्यता प्राप्त सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक में बताया गया कि इंदौर जिले ने एसआईआर निस्तारण का निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित शत-प्रतिशत लक्ष्य पूर्ण कर लिया है। बैठक में आयोग के निर्देशानुसार अगले चरण की गतिविधियों को गति देने और निर्धारित समय में पूर्ण करने के लिए विस्तृत जानकारी साझा की गई। बैठक में अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री नवजीवन विजय पवार, सहायक उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अजीत श्रीवास्तव, मुख्य प्रशिक्षक श्री आर. के. पांडे सहित अन्य अधिकारी और विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि मौजूद थे। बैठक में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री शिवम वर्मा ने जिले में पूर्ण किए गए लक्ष्य के लिए सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग से यह कार्य निर्धारित समय के पूर्व सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया है। बैठक में उपस्थित राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने इंदौर जिले में हुए कार्यों की सराहना की, उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग और समन्वय से यह कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हुआ है। बैठक में कहा गया कि जिले में वर्तमान में लगभग 6 प्रतिशत मतदाता अनमैप्ड हैं, जिनकी मैपिंग कार्य को प्राथमिकता पर किया जाएगा। इसके लिए शीघ्र ही बीएलओ (क्चरुह्र) तथा राजनीतिक दलों के बीएलए (क्चरु्र) की संयुक्त बैठक आयोजित की जाएगी, ताकि सभी प्रलंबित प्रविष्टियों को समयबद्ध तरीके से निपटाया जा सके। अनमैप्ड रह जाने वाले मतदाताओं को नोटिस जारी किए जाएंगे और वे आयोग द्वारा निर्धारित दस्तावेजों के आधार पर अपने दावे प्रस्तुत कर सकेंगे। इसके बाद दावाङ्कआपत्ति प्रक्रिया पूर्ण होने पर फाइनल ड्राफ्ट रोल प्रकाशित किया जाएगा। बैठक में बताया गया कि जिले में यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि कोई भी पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची में जुड़ने से वंचित नहीं रहे। बैठक में राजनीतिक दलों को नए प्रस्तावित मतदान केंद्रों की जानकारी भी दी गई। आगामी ड्राफ्ट रोल इन्हीं अद्यतन मतदान केंद्रों को ध्यान में रखते हुए प्रकाशित किए जाएंगे। बैठक में बताया गया कि जिले में वर्तमान में अभी 2625 मतदान केंद्र है। जिले में 585 नए मतदान केंद्र आयोग के अनुमोदन के पश्चात बनाए गए हैं। इन्हें मिलाकर अब जिले में 3210 मतदान केंद्र हो गए हैं। बैठक में विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों द्वारा जनसुविधा बढ़ाने के कई सुझाव प्रस्तुत किए गए, जिनमें बीएलओ और एईआरओ की बैठकों के स्थानों को इस प्रकार निर्धारित करने पर जोर रहा कि मतदाताओं को दावाङ्कआपत्ति प्रक्रिया हेतु लंबी दूरी तय न करनी पड़े। प्रशासन ने आश्वस्त किया कि सभी सार्थक सुझावों को लागू किया जाएगा, ताकि संपूर्ण प्रक्रिया अधिक सुगम और पारदर्शी बन सके। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि एब्सेंट, शिफ्टेड, डेड तथा डुप्लीकेट प्रविष्टियों की भी समीक्षा की गई है और इनसे संबंधित आवश्यक कार्रवाई भी की जाएगी। यदि कोई मतदाता स्वयं आकर निर्धारित समय में दावा प्रस्तुत करता है, तो उसके नाम को भी नियमानुसार अपडेट किया जाएगा। अधिकारियों ने इंदौर जिले के सभी मतदाताओं के सहयोग और सहभागिता के लिए आभार व्यक्त करते हुए अपील की कि जो भी मतदाता

बच्चों में सीखने की ललक बढ़ाने के लिये शिक्षक प्राप्त करते रहें नई-नई जानकारी: केन्द्रीय शिक्षा मंत्री प्रधान

केन्द्रीय शिक्षा मंत्री प्रधान ने कमला नेहरू सांदीपनि विद्यालय का किया निरीक्षण

बच्चों को पोषण आहार मिलें इसके लिये जनभागीदारी को दें बढ़ावा

बच्चों को मातृभाषा में पढ़ने के लिये करें प्रेरित

भोपाल/नवप्रदेश। केन्द्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान ने कहा है कि बच्चों के व्यक्तित्व का बहुआयामी विकास हो, इसके लिये जरूरी है कि उन्हें मातृभाषा में पढ़ने के लिये प्रेरित किया जाएं। उन्होंने कहा कि बच्चों को पढ़ाई गई बातें समझने में मातृभाषा ज्यादा कारगर होती है। नई शिक्षा नीति में मातृभाषा में अध्ययन को प्राथमिकता दी गई है। केन्द्रीय शिक्षा मंत्री श्री प्रधान रविवार को भोपाल के शासकीय कमला नेहरू सांदीपनि विद्यालय टी.टी. नगर के निरीक्षण के बाद शिक्षकों से चर्चा कर रहे थे। इस मौके पर उच्च शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह परमार और विधायक श्री भगवानदास सबनानी भी उनके साथ थे।

केन्द्रीय शिक्षा मंत्री श्री प्रधान ने सांदीपनि विद्यालय की कक्षाओं में जाकर बच्चों से संवाद किया। उन्होंने बच्चों की पाठ्यपुस्तकों को देखा और बच्चों से पढ़ाई के संबंध में बात की। मंत्री श्री प्रधान के विद्यालय पहुँचने पर छात्राओं ने बैंड की धुनों पर उनका स्वागत किया। उन्होंने आर्ट गैलरी, पुस्तकालय, बच्चों की मार्शल आर्ट वुशु के अभ्यास को देखा और विद्यालय के म्यूजिक रूम का भ्रमण किया। उन्होंने बच्चों द्वारा देशभक्ति गीत पर प्रस्तुत धुनों को सुना और उसकी प्रशंसा की। मंत्री श्री प्रधान विद्यालय की अटल टिकरिंग लैब में भी गए। वहां उन्होंने बच्चों द्वारा बनाए गए साइंस मॉडल के बारे में जानकारी प्राप्त की। साइंस मॉडल और रोबोटिक्स लैब के उपकरणों के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। मंत्री श्री प्रधान ने विद्यालय के ऑडिटोरियम को भी देखा और उन्होंने शिक्षकों से कहा कि वे बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ विभिन्न खेलकूद, संगीत और साहित्यिक गतिविधियों के प्रति भी प्रेरित करें। केन्द्रीय शिक्षा मंत्री श्री प्रधान ने कहा कि बच्चों को पोषण आहार मिले, इसके लिये जन-भागीदारी के प्रयास किये जायें।

पालकों से संवाद

मंत्री श्री प्रधान ने पालकों से भी संवाद किया। उन्होंने कहा कि पालक निरंतर स्कूल पहुँचकर बच्चों के बारे में जानकारी प्राप्त करते रहें। पालकों और शिक्षकों के समन्वय से ही बच्चों का सम्पूर्ण विकास हो सकेगा। उन्होंने शिक्षकों को प्रारंभिक कक्षाओं में पढ़ने वाले बच्चों के शैक्षणिक अध्ययन पर गहन निगरानी रखने की समझाइश दी। मंत्री श्री प्रधान ने विद्यालय की विजिटर्स बुक पर लिखा कि अगले सत्र में इस विद्यालय की छात्राएं जेईई एवं नीट परीक्षा में चयनित हों इसके लिये शिक्षक सामूहिक रूप से प्रयास करें।

ई-अटेंडेंस के मिल रहे हैं बेहतर परिणाम

आयुक्त लोक शिक्षण श्रीमती शिल्पा गुप्ता ने बताया कि शिक्षा की गुणवत्ता के लिये प्रदेश में हमारे शिक्षक ऐप के माध्यम से ऑनलाइन ई-अटेंडेंस प्रारंभ की गई है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप 799 स्कूलों को मॉडल स्कूलों में बदला जा रहा है। उन्होंने पीएमश्री स्कूल और सांदीपनि विद्यलाय के बारे में भी जानकारी दी। आयुक्त श्रीमती गुप्ता ने बताया कि सांदीपनि विद्यालय के बच्चों को विद्यालय तक लाने के लिये निःशुल्क परिवहन सेवा उपलब्ध कराई गई है। स्कूलों में बच्चों को डिजिटल शिक्षा दिये जाने की व्यवस्था की गई है। प्राचार्य कमला नेहरू श्रीमती संगीता सक्सेना ने बताया किविद्यालय की स्थापना 1958 में हुई थी। वर्तमान में इस विद्यालय में कक्षा अरूण (के.जी.-1) से लेकर कक्षा 12 तक करीब 1500 छात्राओं को उच्च स्तर की शिक्षा दी जा रही है। निरीक्षण के दौरान श्री राहुल कोठारी, पार्षद श्रीमती आरती अनेजा भी साथ थी।

भोपाल जंक्शन पर पार्सल व्यवस्था चरमराई... 2000 पार्सल पर सिर्फ 14 कर्मचारी, व्यापारी और यात्री परेशान

भोपाल/नवप्रदेश। भोपाल जंक्शन पर पार्सल व्यवस्था लगातार दबाव में है और इसका सीधा असर व्यापारियों व आम लोगों पर पड़ रहा है। इंटरनेट मीडिया पर रोज ऐसी शिकायतें सामने आ रही हैं कि तय तारीख पर पहुंचने वाले पार्सल कई-कई दिनों तक अटके रहते हैं। जांच में सामने आया कि स्टेशन पर प्रतिदिन करीब 2,000 पार्सल की आवाजाही होती है, जबकि इन्हें संभालने के लिए मात्र 14 कर्मचारी ही तैनात हैं। त्योहार और शादी के सीजन में दबाव और बढ़ जाता है। सीमित स्टाफ, लोडिंग-अनलोडिंग में देरी और तकनीकी खामियों के कारण पार्सल समय पर गंतव्य तक नहीं पहुंच पा रहे हैं, जिससे सिस्टम पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

लोडिंग-अनलोडिंग में देरी और गलतियों में वृद्धि

रोजाना 70-80 ट्रेनों में पार्सल की बुकिंग और अनलोडिंग की जाती है, जिसमें प्रतिदिन 15-20 बाइकों की आवाजाही भी शामिल है। त्योहार और शादी के सीजन में पार्सलों की संख्या 30-40 फीसदी तक बढ़ जाती है, जिससे रेलवे का पार्सल सिस्टम दबाव में आ जाता है। लोडिंग-अनलोडिंग में देरी के कारण कई बार पार्सल ट्रेनों से छूट जाते हैं। स्टाफ की कमी से स्कैनिंग व रिकार्ड एंट्री में गलतियां होती हैं, जिससे पार्सल की ट्रैकिंग प्रभावित रहती है। गलत ट्रेन में पार्सल लोड होने की घटनाएं बढ़ रही हैं, जिससे शिकायतें लगातार बढ़ती जा रही हैं।

व्यापारियों और ई-कॉमर्स सप्लाई पर असर

भोपाल के छोटे व्यापारियों और ई-कॉमर्स सप्लायर्स का बड़ा हिस्सा रेलवे पार्सल पर ही निर्भर है। पार्सल समय पर न पहुंचने से ऑर्डर कैंसिल होने लगते हैं और कंपनियों के टर्नअराउंड टाइम पर सीधा असर पड़ता है। मेडिकल इक्विपमेंट, इलेक्ट्रॉनिक्स, कपड़ा, मशीन पार्ट जैसे जरूरी सामान की सप्लाई भी प्रभावित होती है। व्यापारियों की शिकायत है कि समय पर पार्सल न पहुंचे तो नुकसान सीधे हमारी जेब पर पड़ता है।

कर्मचारियों पर काम का अत्यधिक बोझ

पार्सल यार्ड में मात्र 14 कर्मचारियों से 24 घंटे की मल्टीपल शिफ्ट संभालना बेहद कठिन हो गया है। कर्मचारियों का कहना है कि एक शिफ्ट में 4-5 लोग पूरे यार्ड की लोडिंग, अनलोडिंग, स्कैनिंग और रिकार्ड का काम नहीं संभाल सकते। छुट्टी, बीमारी या आकस्मिक हालात में तो सिस्टम पूरी तरह लड़खड़ा जाता है। भारी पार्सल उठाने के कारण चोट लगने की घटनाएं भी बढ़ रही हैं। स्टाफ के मुताबिक ऐसी स्थिति में काम का बोझ ही नहीं, सुरक्षा जोखिम भी लगातार बढ़ते जा रहे हैं।

प्रबंधन की चुनौतियां और सुधार का दावा

पार्सल विभाग का रेवेन्यू हर साल बढ़ रहा है, लेकिन स्टाफ बढ़ोतरी नहीं होने से काम का दबाव लगातार बढ़ा है। अधिकारियों ने स्वीकार किया कि मात्र 14 कर्मचारियों के बूते इतनी बड़ी पार्सल व्यवस्था संभालना चुनौती है। वे जल्द ही रिक्त पद भरने और नए डिजिटल स्कैनर लगाने की तैयारी का दावा कर रहे हैं, ताकि लोडिंग-अनलोडिंग और स्कैनिंग प्रक्रिया तेज हो सके।

विश्वविख्यात तानसेन संगीत समारोह का 101वॉ संस्करण 15 से 19 दिसम्बर, 2025 तक

पद्मविभूषण-पद्मश्री एवं शिखर सम्मान प्राप्त संगीतज्ञों की होंगी संगीत सभाएं

9 दिसम्बर को दतिया में प्रादेशिक पूर्वरंग श्रृंखला के साथ होगा शुभारंभ

भोपाल/नवप्रदेश। विश्वविख्यात तानसेन संगीत समारोह का 101वॉ संस्करण 15 से 19 दिसम्बर, 2025 तक तानसेन समाधि स्थल, ग्वालियर में आयोजित किया जाएगा। संस्कृति, पर्यटन और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी ने बताया कि संगीत-शिरोमणि तानसेन की पावन स्मृति और उनकी अलौकिक संगीत-परंपरा को अक्षुण्य बनाए रखने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग द्वारा प्रतिवर्ष विश्व-स्तरीय संगीत समागम ÷तानसेन समारोह÷ का भव्य आयोजन किया जाता है। इस आयोजन की सुरमई छटा में भारतीय शास्त्रीय संगीत के प्रति संगीतज्ञों तथा रसिक समाज का अनन्य प्रेम, समर्पण, साधना और आस्था सजीव रूप में अनुभव की जा सकती है। अपना शताब्दी वर्ष पूर्ण कर यह प्रतिष्ठित समारोह अब अपने 101वें स्वर्णिम पड़ाव की ओर अग्रसर है। एक ऐसा पड़ाव, जहाँ परम्परा और नव-सृजन के सुर मिलकर संगीत की अनुपम गाथा रचते हैं। 101वें तानसेन समारोह के शुभारंभ अवसर पर 15 दिसम्बर, 2025 को सायं 6 बजे से राष्ट्रीय तानसेन सम्मान अलंकरण एवं राजा मानसिंह तोमर सम्मान अलंकरण समारोह का आयोजन भी तानसेन समाधि स्थल पर किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2024 के राष्ट्रीय तानसेन सम्मान से पंडित राजा काले, मुम्बई को गायन के लिए एवं वर्ष 2025 का पंडित तरुण भट्टाचार्य, कोलकाता को संतूर वादन के लिए प्रदान किया जाएगा। राष्ट्रीय राजा मानसिंह तोमर सम्मान वर्ष 2024 का साधना परमार्थिक संस्थान समिति, मण्डलेश्वर एवं वर्ष 2025 का रागायन संगीत समिति, ग्वालियर को प्रदान किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि, संस्कृति विभाग के लिए उस्ताद अलाउद्दीन खां संगीत एवं कला अकादमी द्वारा जिला प्रशासन-ग्वालियर, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण एवं मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग के सहयोग से प्रतिवर्ष संगीत नगरी ग्वालियर में इसका आयोजन किया जाता है। तानसेन समारोह का प्रतिष्ठित मंच अपनी उत्कृष्ट प्रस्तुतियों एवं श्रेष्ठ संगीतज्ञों के लिए जाना जाता है। इसी क्रम में इस वर्ष भी पद्मविभूषण, पद्मश्री एवं शिखर सम्मान प्राप्त संगीतज्ञों के साथ ही प्रतिष्ठित संगीतज्ञों को आमंत्रित किया जा रहा है। साथ ही स्थानीय एवं युवा प्रतिभावान कलाकारों को भी मंच प्रदान किया जा रहा है। तानसेन समारोह की परम्परानुसार 9 दिसम्बर, 2025 को सायं 6ः00 बजे से श्री अवधबिहारी जी मंदिर, किला चौक, दतिया में प्रादेशिक पूर्वरंग श्रृंखला का आयोजन किया जा रहा है। इसमें श्री बृजमोहन बमरेले, इंदौर का वायलिन वादन, सुश्री साक्षी पण्डोले, उज्जैन का गायन, श्री अनिरुद्ध जोशी, भोपाल का सितार वादन और सुश्री मुस्कान अग्रवाल, दतिया की गायन सभा सजेगी।

शांति और विकास की राह पर लौटे नक्सली

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश शासन द्वारा नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में आत्मसमर्पण और पुनर्वास की नीति पर अमल के उत्साहजनक परिणाम लगातार सामने आने लगे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा लगातार नक्सलियों को आत्मसमर्पण करने या कठोर कार्रवाई के लिए तैयार रहने की चेतावनी दी जा रही थी। इसी के परिणामस्वरूप आज मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में दस हार्डकोर, सशस्त्र और वर्दीधारी नक्सलियों ने भारत के संविधान पर विश्वास जताते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव के समक्ष आधुनिक हथियारों जैसेत्र्च- 47, इंसास राइफल, स्क्र वाकी टॉकी सेट आदि सहित आत्मसमर्पण किया। इन सभी नक्सलियों पर विभिन्न राज्यों में कुल दो करोड़ छत्तीस लाख रुपये का इनाम घोषित था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इसे नक्सलवाद के अंत की दिशा में एक निर्णायक कदम बताते हुए सुरक्षा बलों की दृढ़ता, निरंतरता और जनता के सहयोग की सराहना की। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री द्वारा शासन स्तर से निरंतर प्राप्त त्वरित सहयोग, सटीक इंटेलिजेंस, रणनीतिक सर्चिंग एवं लगातार जारी नक्सल विरोधी अभियानों और स्थानीय समुदाय के बढ़ते विश्वास के परिणामस्वरूप नक्सली गतिविधियाँ लगातार सिमट रही हैं। उन्होंने आश्वस्त किया कि निर्धारित समयसीमा के भीतर प्रदेश को नक्सलवाद-मुक्त बनाने का लक्ष्य तेज़ी से पूरा किया जा रहा है। पुलिस महानिदेशक ने इस उपलब्धि को हॉक फोर्स, जिला पुलिस, ष्ट्रक्क्न, कोबरा और स्थानीय प्रशासन के सुव्यवस्थित संयुक्त अभियानों का परिणाम बताया, जिसने

ओरछा को विश्वस्तरीय पर्यटन गंतव्य के रूप में विकसित किया जाये : मुख्य सचिव जैन

मुख्य सचिव ने ओरछा में विभिन्न निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण

ओरछा का आर्थिक, सामाजिक विकास देखते हुए इंटीग्रेटेड मास्टर प्लान तैयार करने के निर्देश

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने ओरछा में संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सभी परियोजनाएँ समय पर और उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण की जाएँ जिससे ओरछा को विश्वस्तरीय पर्यटन गंतव्य के रूप में विकसित किया जा सके। उन्होंने ओरछा शहर के आर्थिक, सामाजिक विकास को देखते हुए इंटीग्रेटेड मास्टर प्लान तैयार करने के भी निर्देश दिए।

मुख्य सचिव श्री जैन रविवार को पर्यटन नगरी ओरछा में विभिन्न निर्माण कार्यों का निरीक्षण कर रहे थे। उन्होंने निर्माण एजेंसियों के अधिकारियों को समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव श्री जैन ने ओरछा में मंदिर पहुंचकर भगवान श्रीराम राजा सरकार के दर्शन किए। उन्होंने जुझार महल एवं हरदौल वाटिका का निरीक्षण किया। श्री जैन ने कहा कि वेंडर जोन का निर्माण इस तरह करें जिससे पर्यटकों को आवागमन में सुविधा हो।उन्होंने कहा कि खजुराहो महोत्सव को ध्यान में रखते हुए बुंदेलखंड सांस्कृतिक महोत्सव आयोजित करने की कार्ययोजना तैयार की जाए। उन्होंने ओरछा का मास्टर प्लान तैयार करने, पीपीपी मोड पर चल रहे कार्यों में स्थानीय नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करने जिससे उन्हें रोजगार उपलब्ध कराया जा सके, के निर्देश दिये। मुख्य सचिव श्री जैन कंचना घाट भी पहुंचकर बेतवा नदी पर स्थित नवीन ब्रिज निर्माण कार्य को जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कंचना घाट पर संचालित पिंक टॉयलेट संचालन कार्य सेल्फ हेल्प ग्रुप को देने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव श्री जैन ने अधिकारियों से संरक्षित भवनों की स्थिति, पर्यटक सुविधाओं और आवश्यक रखरखाव उपायों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि इन धरोहरों को संरक्षित रखना हमारी जिम्मेदारी है। मुख्य सचिव श्री जैन ने राय प्रवीण महल एवं तुलसी घाट का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण पूर्ण हों। उन्होंने जहांगीर महल का अवलोकन किया। उन्होंने होटल बेतवा रिट्रीट में श्रीराम राजा लोक और ओरछा में चल रहे विभिन्न निर्माण एवं विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की।वर्तमान में आ रहे पर्यटकों एवं भविष्य में आने वाले पर्यटकों की संभावनाओं के दृष्टिगत कार्ययोजना तैयार की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि शहर की सभी होटलों की स्टार रेटिंग कराई जाए। जुझार सिंह महल को बुंदेलखंड सांस्कृतिक केंद्र की तर्ज पर विकसित किया जाए। एडवेंचर स्पोर्ट्स को बढ़ावा दिया जाए। बुंदेली कला, पेंटिंग एवं टेराकोटा से बनने वाले उत्पादों की मार्केटिंग और ब्रांडिंग की जाए और उन्हें ऑनलाइन प्लेटफार्म पर लाकर विक्रय किया जाए। इस अवसर पर जिले के अधिकारी सहित कंसल्टेंट मौजूद रहे।

भोपाल में प्रदूषण नियंत्रण की नई रणनीति, सड़क किनारे पक्के होंगे कच्चे हिस्से, उड़ती धूल पर लगाम

भोपाल/नवप्रदेश। भोपाल में बढ़ते वायु प्रदूषण और उड़ती धूल को नियंत्रित करने के लिए नगर निगम ने लगभग 30 करोड़ रुपये की नई कार्ययोजना तैयार की है। इसके तहत सड़क किनारे के सभी कच्चे हिस्सों को पक्का किया जाएगा, गड्ढे भरे जाएंगे और सेंट्रल व साइड वर्ज पर हरियाली विकसित की जाएगी। राजधानी भोपाल में सड़कों से उड़ती धूल ने वायु प्रदूषण को चिंताजनक स्तर तक पहुंचा दिया है। बिगड़ते एयर क्वालिटी इंडेक्स को देखते हुए नगर निगम ने धूल नियंत्रण और प्रदूषण घटाने के लिए विस्तृत कार्य योजना तैयार की है। यह प्रस्ताव मंजूरी के लिए नगर निगम कमिश्नर को भेजा गया है, जिसके बाद टेंडर प्रक्रिया शुरू की जाएगी। शहर में बड़ी संख्या में सड़क किनारे अब भी कच्चे हिस्से हैं। वाहनों की लगातार आवाजाही के कारण यहां जमी मिट्टी सड़क पर फैल जाती है और हवा में घुलकर प्रदूषण बढ़ाती है। इसके अलावा लगभग 1500 किलोमीटर सड़कों की हालत खराब है, जिससे दिनभर धूल के गुबार उड़ते रहते हैं।

डस्ट कंट्रोल के लिए बदलेगा शहर का स्वरूप

नगर निगम की योजना के तहत सड़क किनारे के सभी कच्चे हिस्सों को पक्का किया जाएगा। इन स्थानों पर पैविंग ब्लॉक लगाए जाएंगे ताकि मिट्टी और धूल दोबारा सड़क पर न पहुंचे। इसके साथ ही शहरभर में सड़क निर्माण से जुड़े गड्ढों को प्राथमिकता के आधार पर भरा जाएगा। प्रदूषण कम करने के लिए सेंट्रल वर्ज और साइड वर्ज पर हरियाली विकसित करने का भी प्रस्ताव है। सूखी और बंजर पट्टियों में गार्डनिंग की जाएगी, जिससे धूल उड़ने पर रोक लगेगी। रात के समय सड़कों, वृक्षों और डिवाइडरों पर पानी का नियमित छिड़काव भी योजना में शामिल है।

फाउंटेन और स्प्रे सिस्टम से हवा में नमी बढ़ाने की तैयारी

नगर निगम की योजना शहर के प्रमुख चौराहों और सार्वजनिक स्थलों पर लगे सभी फाउंटेन को पूरी क्षमता से चालू रखने की है। इनसे वातावरण में नमी बनी रहेगी और हवा में धूल के कण नीचे बैठेंगे। इसके साथ ही ज्यादा प्रदूषित इलाकों में विशेष वॉटर स्प्रे सिस्टम चलाने पर भी विचार किया गया है।

सुविचार

जो आपके साथ बुरा करें उनके साथ न तो अच्छा करो न ही उनका बुरा करो बस उनसे दूर रहो। - अज्ञात

घुसपैठ को लेकर सुको की कड़ी टिप्पणी

भारत में बढ़ती घुसपैठियों की संख्या को लेकर केन्द्र सरकार ने रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ युद्ध स्तर पर कार्यवाही शुरू कर दी है। जिन राज्यों में चुनाव आयोग एसआईआर करा रहा है वहां से घुसपैठिये खुद ही पलायन कर रहे हैं। इसके साथ ही देश के सबसे बड़े राज्य उत्तरप्रदेश में वहां की योगी सरकार ने घुसपैठियों के खिलाफ अभियान छेड़ दिया है। लखनऊ, मेरठ, कानपुर और आगरा सहित यूपी के 17 बड़े शहरों में रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों की सघन जांच पड़ताल की जा रही है और इन घुसपैठियों के लिए उत्तरप्रदेश के सभी जिलों में अस्थाई डिटेंशन सेन्टर खोल दिये गये हैं ऐसे प्रत्येक डिटेन्शन सेन्टरों में लगभग पंद्रह हजार घुसपैठियों को रखा जाएगा और बाद में उन्हें उनके देश खदेड़ दिया जाएगा। उत्तरप्रदेश की तरह ही बिहार में भी घुसपैठियों के खिलाफ अभियान छेड़ा गया है और अवैध कब्जा करके जिन घुसपैठियों ने अपनी बस्ती बसा रखी है उनके खिलाफ बुलडोजर की कार्यवाही शुरू की गई है। घुसपैठियों के खिलाफ की जा रही इस कार्यवाही को लेकर कुछ संगठनों ने सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दाखिल करके मांग की है कि रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों को शर्णार्थी घोषित किया जासे और उन्हें भारत से न निकाला जाये। इस याचिका पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी टिप्पणी की है कि इस देश में घुसपैठियों को अभी शर्णार्थी घोषित नहीं किया गया है इसलिए उन्हें देश को छोड़ना ही पड़ेगा। घुसपैठियों को किसी भी तरह का कोई कानूनी अधिकार नहीं दिया जा सकता। भारत के संसाधनों पर भारतीयों का ही हक है हम कालीन बिछाकर घुसपैठियों का स्वागत नहीं कर सकते। सुप्रीम कोर्ट की इस कड़ी टिप्पणी के बाद अब केन्द्र सरकार और संबंधित राज्य सरकारें जहां घुसपैठियों की संख्या ज्यादा है वहां घुसपैठियों के खिलाफ अभियान और तेज होगा। एक अनुमान के मुताबिक भारत में लगभग पांच करोड़ रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठिये वर्षों से रह रहे हैं जिनमें सबसे ज्यादा संख्या बंगाल और असम है। असम में तो खैर वहां की राज्य सरकार घुसपैठियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही कर रही है लेकिन बंगाल में घुसपैठियों को संरक्षण देने वाली वहां की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सरकार कोई कदम नहीं उठा रही है। वे तो एसआईआर का ही प्रबल विरोध कर रही हैं क्योंकि एसआईआर की कार्यावाही के दौरान हजारों की संख्या में बंग्लादेशी घुसपैठिये अपना घर छोड़कर भाग रहे हैं। इससे ममता बनर्जी बौखलाई हुई है क्योंकि उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान इन रोहिंग्या और बांग्ब्लादेशी घुसपैठियों को तमाम तरह की सुविधाएं उपलब्ध करा कर इन्हें अपना वोट बैंक बना रखा है। बहरहाल अब केन्द्र सरकार ने तय कर लिया है कि भारत को धर्मशाला नहीं बनने देंगे और एक एक घुसपैठिये को चुनचुनकर देश से बाहर करेंगे। इस बारे में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के बाद तो यह अभियान अब और तेज होगा भले ही ममता बनर्जी सहित अन्य विपक्षी पार्टियां इसे लेकर विधवा विलाप करती रहें।

बिजली उपभोक्ताओं को राहत सराहनीय निर्णय

छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार ने प्रदेश के घरेलू विद्युत उपभोक्ताओं को और राहत दी है अब 400 यूनिट तक खपत करने वाले बिजली उपभोक्ताओं को भी बिजली बिल में 200 यूनिट तक पचास प्रतिशत ही छूट प्रदान की जाएगी। इससे प्रदेश के लगभग छह लाख और विद्युत उपभोक्तओं को राहत मिलेगी। निश्चित रूप से साय सरकार का यह निर्णय सराहनीय है। गौरतलब है कि पहले सरकार ने सिर्फ सौ यूनिट तक बिजली बिल हाफ किया था बाद में इसे बढ़ाकर 200 यूनिट तक किया गया था लेकिन सरकार के इस निर्णय से प्रदेश के आम विद्युत उपभोक्ता नाखुश थे। जनभावनाओं का सम्मान करते हुए आखिरकार साय सरकार ने 400 यूनिट तक खपत वाले लोगों को भी 200 यूनिट तक 50 प्रतिशत की छूट देने का फैसला लिया है जो एक साल तक प्रभावी रहेगा। इस बीच ऐसे विद्युत उपभोक्ता जो 400 यूनिट से अधिक बिजली की खपत करते हैं वे पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से अपने घरो पर सोलर प्लांट स्थापित करा सकें। सोलर प्लांट के लिए भी राज्य सरकार एक किलो वाट क्षमता तक के सोलर प्लांट पर 15 हजार तथा 2 किलो वाट या उससे अधिक के सोलर प्लांट पर 30 हजार रूपये तक की अतिरिक्त सब्सीडी दे रही है। ताकि छत्तीसगढ़ के विद्युत उपभोक्ता सौर ऊर्जा को अपनाने के लिए प्रोत्साहित हो।

सदगुरू बोधामृतम

सदगुरू ऋतेश्वर जी

❖ मुक्ति धर्म अध्यात्म, आनंदित होना यह ऑप्शन सब्जेक्ट नहीं है, कंपलसरी है। आज नहीं तो कल, कल नहीं तो परसों! तुम्हारे बाप को भी मानना पड़ेगा।, अपनाना पड़ेगा।

इंडिगो संकट से उभरे व्यवस्था के बुनियादी प्रश्न

महेन्द्र तिवारी

दिल्ली इस संकट का केंद्र बना। 5 दिसंबर को इंडिगो की 235 सभी घरेलू उड़ानें रद्द हो गईं, एक ऐसा दृश्य जो भारतीय विमानन इतिहास में दुर्लभ है। दिल्ली इंडिगो का प्रमुख हब है, जहाँ रेड-आई फ्लाइट्स और रात के ऑपरेशनल दबाव अधिक होते हैं। नए स्नष्ठञरु नियमों की मार भी सबसे पहले और सबसे ज़्यादा इसी बेस पर पड़ी। जब दिल्ली चरमराया, तो उसके बाद मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद और पुणे जैसे अन्य हब्स में भी कैंसिलेशन फैल गए। यह मानना गलत नहीं होगा कि इंडिगो का नेटवर्क एक अच्छी तरह निर्मित मशीन भले हो, लेकिन इस संकट ने दिखा दिया कि मशीन का हर पुर्जा पहले से ही अपनी अधिकतम क्षमता पर चल रहा था—और किसी भी दिक्कत में पूरी व्यवस्था ध्वस्त हो सकती है।

इंडिगो में हालिया बड़े पैमाने पर हुई फ्लाइट रद्दीकरण की घटना ने देश की विमानन व्यवस्था की गहरी परतें उजागर कर दी हैं। यह संकट केवल एक एयरलाइन की विफलता नहीं, बल्कि उस सोच और मॉडल की नाकामी है जिसने भारतीय विमानन को लंबे समय तक ÷लीन और एफिशिएंट÷ रणनीति के नाम पर अनिश्चितता और अस्थिरता की ओर धकेला। इंडिगो जैसी विशाल एयरलाइन, जो अपने समय पर उड़ान भरने और व्यापक नेटवर्क के लिए जानी जाती रही है, आज इतने व्यापक परिचालन संकट में घिर जाए यह स्वाभाविक रूप से एक बड़े सिस्टम की चेतावनी का संकेत है।

संकट की जड़ में नए FDTL (फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन) नियमों का प्रभावी क्रियान्वयन रहा, जो 1 नवंबर 2025 से लागू हुए। इन नियमों ने पायलटों और केबिन क्रू के कार्य-घंटों पर कड़े प्रावधान लगाए। साप्ताहिक आराम 36 से बढ़ाकर 48 घंटे करना और नाइट लैंडिंग्स को 6 से घटाकर 2 कर देना। यह बदलाव पायलटों की सुरक्षा, स्वास्थ्य और थकान प्रबंधन के लिए अनिवार्य था और वैश्विक मानकों के अनुरूप भी। परंतु इंडिगो ने इन बदलावों के प्रभाव को समय रहते न तो ठीक से समझा और न ही इसके लिए आवश्यक स्टाफिंग तैयार की। छ्रत्नष्ट ने नियम लागू होने से नौ महीने पहले एयरलाइंस को तैयारी का समय दिया था, लेकिन इंडिगो के भीतर ÷लीन मैनपावर÷ रणनीति ने इस लचीलापन को नज़रअंदाज़ कर दिया। यही वह बिंदु था, जहां से संकट की नींव पड़ी।

इंडिगो का पायलट रोस्टर पहले ही अपनी क्षमता की सीमा पर संचालित हो रहा था। जब नए FDTL नियम लागू हुए, तो पायलटों की आवश्यकता अक्टूबर में 2,186 से बढ़कर नवंबर में 2,422 हो गई, जबकि उपलब्ध संख्या 2,357 पर ही अटकी रही। यह महज संख्या का अंतर नहीं था बल्कि एक ऐसे ऑपरेशन का चित्र था, जो हर दिन किनारे पर डगमगाते हुए चल रहा था। फर्स्ट ऑफिसर्स की कमी ने स्थिति को और कमजोर किया। खासकर विंटर शेड्यूल, रेड-आई फ्लाइट्स और हाई-ट्रैफिक हब्स जैसे दिल्ली और मुंबई पर इस कमी के कारण रोस्टरिंग लगभग असंभव हो गई। परिणामस्वरूप मामूली देरी भी पूरे नेटवर्क में ÷कैस्केडिंग कैंसिलेशन÷ में बदल गई, जैसा कि दिसंबर के पहले सप्ताह में देखने को मिला। यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि इंडिगो ने पिछले महीनों में हायरिंग फ्रीज, सैलरी फ्रीज और अन्य एयरलाइंस के साथ नॉन-पोचिंग एग्रीमेंट जैसे निर्णय लिए, जिनका सीधा असर उसकी क्रू उपलब्धता पर पड़ा। यह रणनीति लागत नियंत्रण के लिहाज़ से आकर्षक लग सकती है, लेकिन विमानन जैसे जटिल और सुरक्षा-उन्मुख क्षेत्र में स्टाफ को ÷लीन संसाधन÷ मानकर चलना जोखिमभरा कदम है। ऐसा मॉडल अनिश्चित मौसम, एयर ट्रैफिक कंजेशन, तकनीकी समस्याओं या स्टेशन-स्तर की गड़बड़ियों को सहन नहीं कर सकता। और यही हुआ—दिल्ली एयरपोर्ट जैसी जगहों पर चेक-इन और डिपार्चर कंट्रोल सिस्टम में आई तकनीकी दिक्कतें और कोहरे ने उस रोस्टर को चरमराकर गिरा दिया, जिसमें बफर क्रू का लगभग अभाव था।

दिल्ली इस संकट का केंद्र बना। 5 दिसंबर को इंडिगो की 235 सभी घरेलू उड़ानें रद्द हो गईं, एक ऐसा दृश्य जो भारतीय विमानन इतिहास में दुर्लभ है। दिल्ली इंडिगो का प्रमुख हब है, जहाँ रेड-आई फ्लाइट्स और रात के ऑपरेशनल दबाव अधिक होते हैं। नए स्नष्ठञरु नियमों की मार भी सबसे पहले और सबसे ज़्यादा इसी बेस पर पड़ी। जब दिल्ली चरमराया, तो उसके बाद मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद और पुणे जैसे अन्य हब्स में भी कैंसिलेशन फैल गए। यह मानना गलत नहीं होगा कि इंडिगो का नेटवर्क एक अच्छी तरह निर्मित मशीन भले हो, लेकिन इस संकट ने दिखा दिया कि मशीन का हर पुर्जा पहले से ही अपनी अधिकतम क्षमता पर चल रहा था—और किसी भी दिक्कत में पूरी व्यवस्था ध्वस्त हो सकती है।

DGCA की भूमिका यहां निर्णायक रही। नियामक ने न केवल एयरलाइन से हर 15 दिन में प्रोग्रेस रिपोर्ट की मांग की, बल्कि उससे 30 दिनों में पूर्ण FDTL अनुपालन का विस्तृत रोडमैप जमा करने को भी कहा। DGCA ने A320 विमानों के लिए कुछ अस्थायी छूट दी जैसे लगातार फ्लाइंग घंटे 12 से बढ़ाकर 14 करना या क्रू लीव को वीकली रेस्ट के रूप में स्वीकार करना लेकिन यह स्पष्ट संदेश दिया कि पूर्ण अनुपालन की अंतिम सीमा 10 फरवरी 2026 ही है। यह डेडलाइन इस राजनीतिक और नियामक संकल्प का प्रतीक है कि सुरक्षा के मूल मानकों पर कोई समझौता नहीं होगा, चाहे ऑपरेशनल असुविधा कितनी भी बड़ी क्यों न हो।

मौजूदा संकट केवल विमानन मैनपावर की कमी का संकट नहीं, बल्कि यह उन रणनीतिक निर्णयों की भी विफलता है जो 'किफ़ायत' के नाम पर बने। किसी भी उद्योग में लागत नियंत्रण आवश्यक है, लेकिन यदि वह सुरक्षा, विश्वसनीयता और मानवीय संसाधनों के सम्मान को कमजोर करने लगे, तो वह टिकाऊ मॉडल नहीं रह जाता। इंडिगो को यह समझना होगा कि पायलट, केबिन क्रू और ग्राउंड स्टाफ मशीन का हिस्सा नहीं, बल्कि अपने कौशल और निर्णय क्षमता से हर दिन हजारों यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने वाले पेशेवर हैं। उन्हें थकावट की सीमा तक खींचना एयरलाइन के लिए भी और यात्रियों के लिए भी नुकसानदेह है। यह संकट हमें विमानन उद्योग के भविष्य के बारे में भी सोचने पर मजबूर करता है। क्या एयरलाइंस को AI आधारित प्रेडिक्टिव रोस्टरिंग और बफर क्रू पूल जैसे आधुनिक विकल्पों को अपनाना चाहिए? क्या पायलटों के लिए कैडेट प्रोग्राम्स, तेज ट्रेनिंग रूट्स और बेहतर वेतन संरचना जरूरी है? क्या हवाई अड्डों पर तकनीकी

आतंकवाद की नई परिभाषा गढ़ते तालिबान पाकिस्तान

संजीव ठाकुर

तब जब तालिबान और पाकिस्तान एक-साथ मिलकर, अमेरिका व पश्चिम समर्थित अफगानी शासन के खिलाफ संघर्ष में थे। तब आतंकवाद, संगठित विद्रोह, और पनाह-गाह का एक साझा मंच था। उस संघर्ष का मकसद स्पष्ट था अफगानिस्तान में तालिबानी शासन स्थापित करना, और क्षेत्रीय देश अपने स्वार्थ साधना। पाकिस्तान ने अपने हितों के तहत तालिबान और उनसे जुड़े संगठनों को संरक्षण दिया था। कई आतंकी समूह चाहे वे तालिबान के ही हों या बहु-संगठित भारत, अफगानिस्तान, पाकिस्तान, और मध्य एशिया में सक्रिय रहे लेकिन वक्त और हालात बदल गए। पहले जिस तालमेल को आतंकवाद की साझा पहचान ने जोड़ा था, अब वही लहू-खून और घात-छिपा युद्ध का कारण बन गया है। पिछले महीनों में सीमा पार कई हिंसक हमले हुए। कथित आतंकवादी संगठनों ने पाकिस्तान की सुरक्षाबलों पर हमले बढ़ा दिए। पाकिस्तान का आरोप है कि ये हमले विशेषकर उन संगठनों द्वारा अफगानिस्तान की जमीन से संचालित हो रहे हैं। हाल ही में, पाकिस्तान ने स्पष्ट रूप से चेतावनी दी कि अगर बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए), टीटीपी या अन्य प्रतिबंधित समूहों के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई, तो अफगानिस्तान के शासन और तालिबान दोनों को दुश्मन माना जाएगा।

दूसरी ओर, तालिबान भी खामोश नहीं रहा। उसने पाकिस्तान द्वारा अफगानिस्तान में कथित हवाई हमलों जिनमें मासूमों की मौत हुई को ÷अभियान÷, ÷सैन्य घुसपैठ÷, और ÷सरहद उल्लंघन÷ करार दिया। तालिबान के एक मंत्री ने पाकिस्तान की रक्षा नीति को चुनौती देते हुए, उसे ÷कायर दुश्मन÷ कहा और चेतावनी दी कि इस तरह की हरकतों का जवाब दिया जाएगा।

यही नाजुक संतुलन जो कभी साझा थे अब क्लेश, वियोग, और परस्पर अविश्वास में बदल गया है।

पाकिस्तान का कहना है कि तालिबान शासन ने उन आतंकवादी समूहों को पनाह दी जिन्होंने खुद पाकिस्तान की सेना व आम नागरिकों को निशाना बनाया। उनकी मांग यह है कि तालिबान उन समूहों को खदेड़े, या उन्हें समाप्त करने की ठोस कार्रवाई करें। क्योंकि, पाकिस्तान का कहना है, ÷जो भी उन्हें पनाह देता है, उकसाता है या फंड करता है, वह हमारे लोगों का मित्र नहीं हो सकता।?

तालिबान के लिए जिसे अब काबुल में सत्ता मिली है ।यह कहना आसान हो सकता है कि ÷वे अपने देश के अंदर सीमाओं और नागरिकों की रक्षा करेंगे÷। लेकिन उस रक्षा की भी कीमत चुकानी पड़ी है। जब पाकिस्तान ने उत्तर वजीरिस्तान और कुर्म बार्डर क्षेत्र में आतंकवादियों के ठिकानों पर हवाई और थल हमले किए, तालिबान ने जवाबी कार्रवाई की धमकी दी।

इस बदलते परिदृश्य को यदि हम तत्कालीन इतिहास से जोड़कर देखें: 2021 में जब तालिबान ने अफगानिस्तान में फिर सत्ता सँभाली, पाकिस्तान की उम्मीदें बहुत थीं कि तालिबान न सिर्फअफगान, बल्कि क्षेत्रीय संतुलन में पाकिस्तान का साथ देगा। विशेष रूप से, भारतङ्कपाकिस्तान कश्मीर के मसलों में तालिबान को पाकिस्तान का साथी बनाने की कवायद थी। लेकिन वह उम्मीद धरी की धरी रह गई। न तो तालिबान ने कश्मीर पर पाकिस्तान की किसी पुरज़ोर रणनीति का वादा निभाया, न ही भारत-विरोधी स्पष्ट राजनीतिक रुख अपनाया।

अब, जब तालिबान स्वयं आतंकवादियों के जिनमें टीटीपी, बीएलए आदि शामिल खिलाफ कार्रवाई में रुचि नहीं दिखा रहे, या दिखा भी रहे हो, पर कार्रवाई ठोस नहीं है, पाकिस्तान की नाराज़गी बढ़ने लगी। और इस नाखुशी की आंच से दोनों पूर्व मित्र अब आपस में तलवारें खिंचने लगे हैं।

इस विस्तृत परिप्रेक्ष्य में जहाँ दोनों ही पक्षों ने कभी आतंकवाद को पनाह दी, सहारा दिया आज विरासत खतरनाक है: अस्थिरता, अविश्वास, सीमा पर गोलीबारी, नागरिकों की जान और क्षेत्रीय राज-नैतिक असंतुलन।

भारत के लिए, यह संघर्ष सिर्फ एक सीमापार झड़प नहीं बल्कि एक व्यापक सुरक्षा, भू-राजनीति और कूटनीति का चेहरा है। क्योंकि जब पाक तालिबान जैसी शक्तियाँ आपस में झड़ रही हों, तो आतंकवाद का जाल और जटिल हो जाता है चाहे वह कश्मीर हो या पंजाब, चाहे भारत की सीमाएँ हों या मध्य एशिया का विस्तार।

इसलिए, अब यह कहना लाजिमी हो गया है कि ÷आतंकवादियों को पनाह देने÷ वाले देशों चाहे कभी मित्र रहे हों का अंत निश्चित था। और वह अंत सिर्फ उनकी अपूर्णीय साझेदारी का ही नहीं, बल्कि उस साझेदारी के दायित्वों, कूटनीतिक दावों और सुरक्षा प्रणालियों की विफलता का प्रतीक है।

आज, पाकिस्तान राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक तीनों मोर्चों पर अस्थिरता से गुजर रहा है। उसकी सेना, उसकी सीमाएँ, उसका भरोसा सब कुछ सवालों पर है। एक अस्थायी, गठबंधन-सरकार की राजनीतिक कमजोरी, आर्थिक संकट, और बढ़ती आंतरिक असुरक्षा इन सबके बीच तालिबान का विरोध उस संकट को और गहरा कर रहा है।

पाठकों की बात — पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

चाँद जैसे घटा

चाँद जैसे घटा बढ़ा करता, मेरा महबूब यूँ वफ़ा करता!! रू-ब-रू जाने कब मिलेगा वो, रोज़ ख़्वाबों में बस मिला करता!! मौसमे इश्क़ है सँभलकर चल, इन दिनों हादसा हुआ करता!! खुद वो मेरे मरज़ का आशिक़ था, क्या मेरे मरज़ की दवा करता!! एक इक लफ्ज़ उसको पढ़ती मैं, वो वरक़ दर वरक़ खुला करता!! लज़्ज़ते दर्द आंख में भरकर , साथ में कोई रत जगा करता!! बेखुदी की ये इंतहा है 'कमल' मुझको हर शय में वो दिखा करता!!

- रूबी झा 'कमल'

वक्त के दुशाले

वक्त के दुशाले पे बड़े पैबंद थे फटे थे मैले थे बड़े कसीदे किये मैंने बड़े बेल-बूटे सजाये थे आज जब मेरी कारीगरी ने तुझे बेशकीमती बना दिया सब बेताब है तुझे अपना बनाने को श्रेय ले जाने को कंधे पे सजाने को और वक्त के दुशाले ÷तू भी बड़ी बेवफा है। कब सजना चाहती है गरीब ,गुमनाम कारीगर के कंधे पे तुझे भी अपनी कीमत चाहिए ,ज़माने से।

- तनु देहलवी

ज़िंदगी तेरी है, तू खुलकर जी छोड़कर

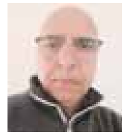

ज़िंदगी तेरी है, तू खुलकर जी छोड़कर प्राण मेरे,जो चाहे पी जीने का हक़ तो मुझको भी है जीने दे मुझे और खुद भी जी डाक्टरों के चक्कर में तू ना पड़ ठंडा मौसम है,खूब खा गुड़-घी फटे-पुराने भी कपड़े काम आयेंगे जरा करके मेहनत तू उनको सी नीयत को साफ रख हमेशा बेवजह किसी का खून मत पी। - जे डी कुदाल ÷

एक कहानी न दादी वाली न नानी वाली

एक कहानी न दादी वाली न नानी वाली फिर भी मुझे सुनानी है बच्चों तुम्हे सिखानी है जीवन, वन में कैसे पनपा जल को किसने लिया अपना कौन उड़ा यह नभ को छूने कौन चला मिट्टी में छुपने कौन, कहाँ, कैसे, कब आओ हम जानें सब कहानी से जुड़ कर हम जड़ विज्ञान की खोज लाएँ जो भी सीखें आज हम घर जा कर सबको बतलाएँ। - अलका अग्रवाल

सब जानकर भी आप तो

सब जानकर भी आप तो अनजान जी रहे। जो हो रहा है मुल्क में कुछ भान भी रहे। जो आस्तीनों में पले फुफकारने लगे, किसको पिलाते दूध थे नादान ही रहे। - हरिवल्लभ शर्मा

अपनी एक कमी के बारे मे सोचिये...

अपनी एक कमी के बारे मे सोचिये... अब ये मत कहना मुझमे तो कोई कमी है ही नही... तो चलो अब सोच लिया... अब इसे ठीक करना है या नही ये सोचिये.. अब ये सोचिये की अगर करना है तो कैसे... और अगर नही करना है तो क्यूँ... -भागीरथी सिंह

उन्हें बस एब ही गिनाना है असल मक़सद

उन्हें बस एब ही गिनाना है असल मक़सद मुझे मिटाना है वो जिन रिश्तों को पाल कर रक्खा मुझे अब ज़ह्र उनसे खाना है उन्हें लगता है वो सही हैं बस सभी का वक़्त बस सयाना है चले जाना है एक दिन सबको सभी की सांस बस तराना है समझ ले आज से मरा खुद को कभी तो 'मित्र'तुझको जाना है

- मित्र ग़ाज़ियाबादी

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। 2009: डेनमार्क के कोपेनहेगन में जलवायु शिखर सम्मेलन शुरू हुआ। 2008: भारतीय गोल्फर जीव मिल्खा सिंह ने जापान टूर का ख़िताब जीता। 2008: हरियाणा के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने चन्द्रमोहन को मुख्यमंत्री पद से बर्खास्त किया। 2002: तुर्की की आजरा अनिन मिस वर्ल्ड बनीं। 2001: तालिबान ने कई दिनों तक चली लड़ाई के बाद अफगानिस्तान के कंधार पर कब्जा छोड़ा। 1988: आर्मेनिया में आए 6.9 तीव्रता वाले भूकंप से 25 हजार लोगों की मौत, लाखों बेघर। 1995: भारत ने संचार उपग्रह इनसेट-2सी का प्रक्षेपण किया। 1992: दक्षिण अफ्रीका की धरती पर पहली बार कोई वनडे मैच खेला गया। 1949: भारतीय सशस्त्र बल फ्लैग डे मनाया जाता है। 1941: दूसरे विश्व युद्ध के दौरान आज ही के दिन जापान ने अमेरिका के पर्ल हार्बर पर हवाई हमला किया। 1889: दुनिया में मौजूदा रूप की पहली गाड़ी बनाई गई। 1856: देश में पहली बार आधिकारिक रूप से 'हिंदू विधवा' का विवाह कराया गया। 1825: भाप से चलने वाला पहला जहाज 'एंटरप्राइज' कोलकाता पहुंचा।

राशि फल

पं. देवव्रत शर्मा

मेष: आज का दिन आपके लिये कामना पूर्ति वाला रहेगा। स्वयंजन एवं सहकर्मियों से विवेकी व्यवहार रखें अन्यथा इच्छाओं पर पानी फेरते समय नही लगाएंगे।

वृष: आज के दिन आपकी दिनचर्या पिछले दिनों की अपेक्षा बेहतर रहेगी। दिन के आरंभ में कार्यो के गलत दिशा लेने से गुस्सा आएगा।

मिथुन: आज का दिन सुख शांति दायक रहेगा दिन के पूर्वार्ध से ही मजाकिया व्यवहार से घर का वातावरण खुशनुमा बनाएंगे लेकिन बोलने में शब्दों का चयन ठीक ना होने से किसी से नाराजगी भी हो सकती है।

कर्क: आज के दिन आपको प्रत्येक कार्य मे सावधानी बरतें की आवश्यकता हैं। पूर्व में बनाई योजना अथवा गतिशील कार्यो में नुकसान होने की प्रबल संभावना है।

सिंह: आज का दिन भी आपके लिये लाभदायक रहने वाला है दिन के आरंभ में घर मे किसी से व्यर्थ की बात पर उलझेंगे लेकिन मध्यान के बाद स्वभाव में गंभीरता आएगी।

कन्या: आज के दिन आपको व्यवसाय से आर्थिक लाभ पाने के लिये बड़ी जोड़ तोड़ करनी पड़ेगी फिर भी आशाजनक ना होने से मन मे नकारत्मक भाव आएंगे।

तुला: आज के दिन आप किसी मुसीबत से बचने के लिये धर्म का सहारा लेंगे मन मे आध्यात्मिक भाव रहेंगे लेकिन स्वार्थ सिद्धि मात्र ही। पूजा पाठ तंत्र टोटको पर दिन का कुछ समय और धन खर्च होगा ।

वृश्चिक: आज का दिन प्रतिकूल रहेगा पूर्व में बरती लापरवाही के कारण सेहत में विकार आने से प्रात: काल से ही अनमने से रहेंगे कार्य करने का मन करेगा लेकिन उत्साह की कमी हर कार्य मे विलंब कराएगी।

धनु: आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा आज आपकी मानसिकता सुखोपभोग की वस्तुओं के संग्रह की रहेगी इसपर खर्च भी करेंगे लेकिन भविष्य को ध्यान में रखकर ही चले।

मकर: आज आपके मन मे काफी उलझने रहेंगी कार्य क्षेत्र और घर मे तालमेल बैठाना प्राथमिकता रहेगी एक काम को करने पर दूसरे में विलंब होगा फिर भी मध्यान तक स्थिति को संभाल लेंगे।

कुंभ: आज के दिन आप अपने बुद्धि चातुर्य से हर जगह सम्मान पाएंगे मेहनत भी आज अन्य दिनों की तुलना में अधिक करनी पड़ेगी लेकिन बीच-बीच मे प्रसंशा मिलने से अखरेगा नही। आर्थिक लाभ को लेकर दिन के आरंभ से कयास लगाएंगे।

मीन: आज के दिन अपने काम से काम रखना बेहतर रहेगा। दिन भर क्रोध और कलह के प्रसंग बनते रहेंगे।

QUIZ TIME

1) झील किवु, जो समाचारों में देखी गई थी, किन दो देशों के बीच स्थित है?

2) माउंट एडम्स एक स्ट्रैटोवोल्केनो किस देश में स्थित है?

3) पारंपरिक ज्ञान के संचार और प्रसार पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन कहाँ आयोजित किया गया था?

4) किस काल में तंत्रवाद का उदय हुआ?

5) हाल ही में भारत के पहले वर्टिकल रेलवे सी ब्रिज का उद्घाटन कहाँ हुआ?

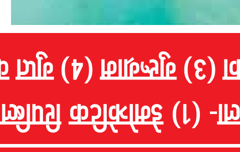

Ramaquiz

उत्तरमाला- (1) डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो और रवांडा (2) संयुक्त राज्य अमेरिका (3) ऑस्ट्रेलिया (4) गुप्त काल (5) रामेश्वरम, तमिलनाडु

कार्टून

नगर निगम उपायुक्त टैगोर ने उपस्थित विद्यार्थियो को दिन के 24 घंटे एवं साल के 365 दिन की प्लानिंग समझाई

उज्जैन/नवप्रदेश। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के इनिशिएटिव पर प्रारंभ हुए संकल्प क्लब में आज अपर कलेक्टर एवं प्रशासक महाकाल मंदिर और नगर निगम उपायुक्त श्री संतोष टैगोर का व्याख्यान जिला ग्रन्थालय स्कूल शिक्षा विभाग में हुआ । उक्त दोनों ने उपस्थित 120 प्रतियोगी को परीक्षा के प्रतिभागी एवं स्कूली बच्चों को मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने विद्यार्थियों के प्रश्नों का उत्तर देकर विद्यार्थियो को प्रेरित किया ।

नगर निगम उपायुक्त श्री टैगोर ने विद्यार्थियों को दिन के 24 घंटे एवं साल के 365 दिन की प्लानिंग समझाई।उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन में सर्वप्रथम अपना लक्ष्य निर्धारण कर और जिज्ञासा को हमेशा जगा के रखकर लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। यह उल्लेखनीय हे कि श्री टैगोर मार्गदर्शन के क्षेत्र पूर्व से ही सक्रिय है और उन्होंने इस संकल्प क्लब के लिए भी मेंटर की भूमिका को स्वीकार कर , आगे भी अपनी उपलब्धता कोर टीम की सुनिश्चित की है। श्री महाकाल मंदिर प्रशासक ने विद्यार्थियों को जीवन के प्रारंभिक समय का उपयोग करने ,एक ही परिवेश में रह रहे व्यक्ति भी अनुशासन द्वारा अपने जीवन की दिशा प्रशस्त करने के लिए कहा। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित समाचार पत्र पढ़ना शुरू करने, पढ़ने से धीरे धीरे काम की बातें धीरे धीरे ध्यान में आने लगेगी और लॉजिकल रीजनिंग, मैथ्स से एक अप्रत्यक्ष नींव तैयार होगी। उन्होंने कहा कि प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी में यह ध्यान रखना चाहिए कि जो तात्कालिक नियमित अध्यापन हम कक्षा में कर रहे है, सबसे पहले उसमें सफल होने पर ध्यान देना है । जो तात्कालिक लक्ष्य है उस पर ध्यान देना है जिससे एक अच्छी नींव तैयार होती है ।उन्होंने कहा कि केवल वहीं बंधनों से मुक्त है , जो अनुशासन का पालन करता है।अपनी दिनचर्या का अनुशासन से पालन करना है । बको ध्यानम् जो कार्य हम कर रहे है उसमें पूर्ण सम्मिलित होना है, नियमित रूप से ध्यान, व्यायाम एवं खेल के लिए समय निकलना है ।पठन सामग्री (syllabus) ङ्क अपनी पठन सामग्री कंठस्थ होना चाहिए, परीक्षा के पैटर्न को समझने, जानने, मानसिकता एवं दृष्टिकोण बनाने के लिए पिछले वर्षों के प्रश्न पत्र का अभ्यास करना चाहिए। अपनी पठन सामग्री को लेकर एक बार रिसर्च कर ले । निष्काम कर्म ङ्क अपने हाथ में है अध्ययन करना , मेहनत करना , निष्काम भाव से अपना कर्म करना चाहिए।जितना अध्ययन पर ध्यान देंगे, उतना अच्छा परिणाम मिलेगा । हमारे सोचने का तरीका यही होना चाहिए कि मैं मेहनत करूंगा, फल अपने आप अच्छा मिलेगा । इसे अपने मन में आए नकारात्मक बातों से , तथा नकारात्मक वातावरण से दूरी बनती है । अल्पाहारी एवं श्वान निद्रा ङ्क शरीर की आवश्यकता अनुरूप सुपाच्य भोजन करना चाहिए, अधिक भोजन आलस्य बढ़ाता है । निद्रा श्वान की तरह होनी चाहिए, सदैव सजग । अंत में यूपीएससी, पीएससी एवं अन्य परीक्षाओं के एस्पिरेंट्स से जिला पंचायत सीईओ श्री श्रेयांश कूमट एवं उपायुक्त नगर निगम श्री टैगोर ने पृथक चर्चा कर आगे की प्लानिंग पर विचार विमर्श किया । अगले सप्ताह सभी विद्यार्थियो से निबंध लेखन करवाना तय किया है। अंत में सीईओ जिला पंचायत श्री कुमूट ने अतिथियों को आभार व्यक्त किया । कार्यशाला का संचालन एडीपीसी तिवारी द्वारा किया गया ।इस अवसर पर श्री महाकाल मंदिर की ओर से 102 पुस्तकों के तीन सेट ग्रन्थालय को प्रदान किए गए । दानदाता श्री खंडेलवाल का भी स्वागत किया गया ।

न्यूज गैलरी

धन्वन्तरि आयुर्वेद चिकित्सालय में ''स्वर्णप्राशन कार्यक्रम आज आयोजित होगा

उज्जैन/नवप्रदेश। शासकीय धन्वन्तरि आयुर्वेद चिकित्सा महाविद्यालय के प्रधानाचार्य एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. जे.पी. चैरसिया ने बताया कि चिकित्सालय के शिशु एवं बालरोग विभाग के अंतर्गत 8 दिसंबर सोमवार को जन्म से लेकर 10 वर्ष तक के बच्चों को स्वर्णप्राशन कराया जाएगा। बाल रोग चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. गीता जाटव ने बताया कि शिशु के बुद्धि व बलवर्धन तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए एवं बार-बार होने वाले संक्रामक रोगों से बचाव के लिए अपने बच्चों का स्वर्णप्राशन अवश्य कराएं। प्रत्येक बालक/बालिका का रजिस्ट्रेशन शुल्क रुपए 50/- निर्धारित है। आयुर्वेद के ग्रन्थों में बच्चों के स्वास्थ्य संवर्धन के लिए स्वर्णप्राशन का अत्यधिक महत्व बताया गया है। यह जानकारी प्रधानाचार्य डॉ. जे.पी. चौरसिया तथा मीडिया प्रभारी डॉ. प्रकाश जोशी ने दी।

पुष्य नक्षत्र 8 दिसंबर को बच्चों को कराया जाएगा स्वर्ण प्राशन

उज्जैन/नवप्रदेश। इस माह सर्दी के मौसम में अच्छे स्वास्थ्य के लिए पुष्य नक्षत्र 8 दिसंबर पर जीरो से लेकर 16 वर्ष तक के बच्चों को स्वर्ण प्राशन कराया जाएगा। साथ ही सभी बड़े बुजुर्गों को शरीर और मानसिक रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने तथा बल के लिए स्वर्णकल्प पिलाया जाएगा। डॉ हर्षवर्धन धाकड़ ने बताया स्वर्ण प्राशन और स्वर्ण कल्प बच्चों और बड़ों का रजिस्ट्रेशन करने के उपरांत सुबह 11 से 3 तक ÷डॉ धाकड़ औषधालय÷ 13 गुरु नानक मार्केट फ्रीगंज उज्जैन पर रखा गया है जिसमें बच्चों की सर्दी खांसी बुखार की रोकथाम के लिए और बड़े बुजुर्गों के शरीर की रक्षा के लिए शुद्ध स्वर्ण से निर्मित स्वर्ण भस्म कि औषधियां सेवन कराई जाएगी। परंपरागत शास्त्रों के अनुसार पुष्य नक्षत्र काल में निर्मित स्वर्ण मिश्रित औषधीयां शरीर में ज्यादा गुण करती है और शरीर को स्वस्थ बनाएं रखने अहम भूमिका निभाती है। यह बड़े बुजुर्ग और राजा महाराजा को पुष्य नक्षत्र काल का विशेष ज्ञान था।

स्मृति ईरानी ने महाकालेश्वर के दर्शन किए

उज्जैन/नवप्रदेश। पूर्व केंद्रीय मंत्री श्रीमती स्मृति ईरानी ने रात्रि में भगवान श्री महाकालेश्वर जी के दर्शन लाभ प्राप्त किए। मंदिर प्रबंध समिति की ओर से श्रीमती स्मृति ईरानी का स्वागत एवं सत्कार किया गया।

बिहार सरकार के मंत्री अशोक चौधरी ने किए भगवान महाकालेश्वर जी के दर्शन

उज्जैन/नवप्रदेश। ग्रामीण कार्य विभाग मंत्री बिहार सरकार श्री अशोक चौधरी ने प्रातःकालीन भस्म आरती में ज्योतिर्लिंग भगवान श्री महाकालेश्वर जी के दर्शन लाभ लिए। मंदिर प्रबंध समिति की ओर से उप प्रशासक श्री एस. एन. सोनी द्वारा श्री चौधरी का स्वागत एवं सत्कार किया गया।

रतनगढ़ में बाल विवाह रोकथाम प्रशिक्षण सम्पन्न

नीमच/नवप्रदेश। रतनगढ़ में बाल विवाह रोकथाम के लिए 100 दिवसीय जनजागरूकता अभियान के तहत पंचायत सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायकों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुक्रवार को आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जनपद उपाध्यक्षएवं परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्रीमती कविता चौहान, बीएमओ, सुपरवाइजर, सचिव एवं सहायक सचिव उपस्थित थे।

जैविक उत्पादों को बढ़ावा देने जिला प्रशासन की पहल है, जैविक हाट

नीमच/नवप्रदेश। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव की मंशानुरूप जिला प्रशासन नीमच द्वारा जिले के नागरिकों आमजनों को एक ही स्थान पर अच्छी गुणवत्ता के जैविक उत्पाद उपलब्ध कराने और जैविक उत्पादक किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए नीमच के दशहरा मैदान में शनिवार को साप्ताहिक जैविक हाट बाजार लगाया गया है। इस जैविक हाट बाजार में बड़ी संख्या में जैविक फल, सब्जियां, अनाज, दालों, जैविक, खाद एवं अन्य जैविक उत्पाद तैयार करने वाले प्रगतिशील किसानों द्वारा अपने जैविक उत्पादों की स्टाल एवं प्रदर्शनी लगाई गई है। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा, जिला पंचायत सदस्य सुश्री मनीषा धाकड एवं कृषि वैज्ञानिकों, एसडएम श्री संजीव साहू ने जैविक हाट बाजार में जैविक उत्पादों की स्टालों का अवलोकन किया। कलेक्टर ने जैविक हाट में से जैविक पपीता, फल एवं जैविक हल्दी एवं जैविक मिर्च पाउडर का पैकेट नगद राशि देकर खरीदा।न.पा नीमच, कृषि एवं अन्य विभागों के सहयोग से जिला प्रशासन द्वारा लगाए गये इस जैविक हाट बाजार के प्रति नागरिकों में अच्छा उत्साह देखने को मिल रहा है। साथ ही जैविक उत्पादक किसान भी अपने उत्पादों की बिक्री एवं प्रदर्शन के लिए हाट बाजार के रूप में जिला मुख्यालय पर एक मंच उपलब्ध होने से काफी खुश है।

रोलर स्केटिंग स्पर्धा में जीते पदक

उज्जैन/नवप्रदेश। इंदौर के वैष्णव कॉलेज में आयोजित चौथी सब जूनियर, जूनियर व सीनियर रोलर स्केटिंग स्पर्धा में उज्जैन के खिलाड़ियों ने पदक जीते। स्पर्धा में पावी अग्रवाल, आराध्या आठनकर ने स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। कनुप्रिया, आदित्य ठोमरे, धानिश बांठिया, पार्श्व जैन, निसर्ग भोपाळे, तन्मय पटेल, फैजान कुरैशी ने रजत पदक जीते। स्पर्श श्रीवास्तव ने कांस्य पदक प्राप्त किया। देवेश खत्री व चारू चौथे पायदान पर रहे। कोच आदर्शप्रतापसिंह जादोन हैं।

आशीष गलगले मध्यप्रदेश के 54 जिलों का भ्रमण करने साइकिल से निकले

समाज को जागरूक करने के लिए कर रहे 5800 किलोमीटर लंबी यात्रा, उज्जैन पहुंचने पर किया स्वागत

उज्जैन/नवप्रदेश। मध्यप्रदेश में समाज को जागरूक करने के उद्देश्य से आशीष गलगले साइकिल यात्रा निकालकर प्रदेश के 54 जिलों का भ्रमण कर रहे हैं। यह यात्रा कुल 5800 किलोमीटर लंबी है और रेवा शक्ति अभियान के तहत बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, कुपोषण से मुक्ति, नशा मुक्त समाज, पर्यावरण संरक्षण, साइकिल चलाएं प्रदूषण भगाएं जैसे महत्वपूर्ण संदेश लेकर चल रही है।

अशोकनगर कलेक्टर आदित्य सिंह की अभिप्रेरणा से प्रारंभ हुआ यह अभियान प्रदेश में व्यापक जागरूकता फैलाने में सहायक बन रहा है। इसी क्रम में रविवार को आशीष गलगले उज्जैन शहर पहुंचे, जहां सोसायटी ऑफ ग्लोबल साइकिल के अध्यक्ष उत्कर्ष सिंह सेंगर, संस्था के सचिव विवेक मेश्राम, मयंक तिवारी, अमित परमार, तुषार पिल्लैवार एवं प्रशासनिक अधिकारी और स्थानीय खिलाड़ियों ने उनका हृदयपूर्वक स्वागत किया। उज्जैन में स्वागत कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने आशीष गलगले के प्रयासों को सराहा और उनके जागरूकता अभियान के लिए उन्हें हार्दिक बधाई तथा शुभकामनाएं दीं। यह पहल समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।इस प्रकार प्रदेश के युवाओं और समाज के विभिन्न वर्गों को जागरूक करने के लिए यह साइकिल यात्रा एक मिसाल बन चुकी है।

शौर्य दिवस पर बजरंग दल ने निकाली शौर्य यात्रा

उज्जैन/नवप्रदेश। बजरंग दल माधव प्रखंड उज्जैन महानगर ने शौर्य दिवस के उपलक्ष्य में दोपहर 12 बजे शौर्य यात्रा निकाली। यात्रा चकोर पार्क (मक्सी रोड) से प्रारंभ होकर विभिन्न मार्गों से होती हुई टावर चौक पर समाप्त हुई। बजरंग दल जिला सह संयोजक लवेश सोनी ने बताया कि 6 दिसंबर, 1992 का दिन केवल शौर्यगाथा नहीं असत्य पर सत्य की जीत का भी प्रतीक है। इसे बजरंग दल शौर्य दिवस के रूप में मनाती रही है। सनातन संस्कृति में शौर्य केवल साहस, निडरता या बलिदान का प्रतीक नहीं है। यह नैतिक बल. आत्म-त्याग तथा विषम परिस्थितियों में धैर्य बनाए रखने का सत्व भी है। अधर्म - असत्य का प्रतीक ढांचा यदि सदियों टिका रहा, तो यह संयम एवं परीक्षा ही थी। श्रीमद्भगवद्गीता में कहा गया है कि किसी व्यक्ति का स्वाभाविक कर्तव्य उसकी प्रकृति और जीवन जीने का उद्देश्य मात्र ही धर्म नहीं है। धर्म वो कर्म है, जो सर्वकल्याण के लिए हो, जिसे आपकी आत्मा अनमति दे। सत्य, अहिंसा और समर्पण का गुण मिश्रित हो।

सर्वकल्याण के लिए एक श्लोक प्रचलित है-

ॐ सर्वे भवन्तु सुखिनः। सर्वे सन्तु निरामयाः।

सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चित दुःख भाग्भवेत।

सनातन धर्म एवं संस्कति में कभी किसी के अनादर का भाव नहीं रहा। इसलिए बाबरी पतन की घटना शौर्य दिवस के रूप में मनाने का उद्देश्य दंभ का प्रदर्शन कतई नहीं है। बाबर क्रूरता, अन्याय के साथ मानवता और धर्म विरोधी मानसिकता का पर्याय था। मुगल साम्राज्य भारतीय इतिहास का काला अध्याय है। साम्राज्यवादी सोच स्वयं के विनाश का कारण बनती है। मुगलों का अंत इसी का परिणाम है। हिंदू धर्म केवल एक पंथ नहीं, बल्कि यह जीवन जीने की सनातन पद्धति-कला है, संस्कति है। सनातन संस्कति में समता, समानता और सद्भाव का समावेश है। इसमें वसुधैव कुटुम्बकम का सत आचरण-भाव है। सनातन संस्कृति विध्वंस में नहीं सृजन में विश्वास करती है। बाबरी ढांचे का पतन नव सजन का आरंभ था। यात्रा में जसवंत सोलंकी, दीपक सूर्यवंशी, नितिन मालवीय, बंटी राउट, पवन वर्मा, राम यादव, अभय कैथवास और संगठन के कार्यकर्ता व युवा उपस्थित रहे। यह जानकारी जिला मंत्री जसवंत सिंह ठाकुर के माध्यम से जिला प्रचार प्रसार प्रमुख हरिचरण परमार द्वारा दी गई। यात्रा के पश्चात टावर चौराहे पर स्थित डॉ. बी.आर. अंबेडकर जी की प्रतिमा पर पुष्प माला अर्पण कर अंबेडकर जी पुण्यतिथि मनाई गई।

9 दिसंबर को महाकाल नगरी उज्जैन में होगा ऐतिहासिक हनुमान ध्वज महासम्मेलन, भव्य सुंदरकांड महोत्सव

1551 हनुमान मंदिरों की पवित्र धर्म ध्वजा आएंगी एक मंच पर

उज्जैन/नवप्रदेश। 9 दिसंबर सुबह 10 बजे से हिन्दू संस्कृति संघ धर्मवीर बजरंग दल द्वारा उज्जैन जिले के इतिहास का सबसे विशाल सनातनी आयोजन किया जा रहा है। इस भव्य कार्यक्रम में उज्जैन जिले के सभी 1551 श्री हनुमान मंदिरों से पवित्र धर्म ध्वजा आमंत्रित की जा रही है। सभी ध्वजाओं का विधि-विधान से पूजन होगा तथा विश्व विख्यात बागेश्वर धाम के सुंदरकांड मंडल द्वारा बागेश्वर धाम सरकार पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री जी के दिव्य मार्गदर्शन में भव्य सुंदरकांड पाठ संपन्न होगा। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर इस आयोजन में वर्चुअल वीडियो कॉलिंग के माध्यम से उपस्थित रहेंगे।

आयोजन में जिले के सभी संत-महंत, कथावाचक, हनुमान मंदिर समितियां, सुंदरकांड-रामायण-हनुमान चालीसा मंडलियां, झंडा समितियां, गोशाला समितियां, गौसेवक दल, सभी हिन्दू संगठन एवं व्यायामशाला प्रमुख शामिल होंगे।

संस्थापक एवं अध्यक्ष राजेश आंजना धर्मवीर ने पत्रकारवार्ता के माध्यम से बताया कि इस कार्यक्रम के चार प्रमुख लक्ष्य हैं। गाँव-गाँव एवं मोहल्लों में बंद पड़ी मंगलवार ध्वज-झंडा यात्रा को पुनः शुरू कराना, जिला पंचायत की 88 गोशालाओं में समिति बनाकर कम से कम 5100 निराश्रित गौमाताओं को आश्रय दिलाना, हर गाँव-मोहल्ले में ÷राष्ट्र शक्ति केंद्र÷ के रूप में हनुमान चालीसा मंडली स्थापित करना तथा भारत को हिन्दू राष्ट्र बनाने की दिशा में गुरुकुल, व्यायामशाला एवं गौशाला युक्त हिन्दू संस्कृति केंद्रों की स्थापना।

आयोजन के संरक्षक वरिष्ठ समाजसेवी नारायण यादव हैं। अध्यक्ष आंजना ने सभी सनातनी बंधुओं से अपील की है कि अपने-अपने क्षेत्र के हनुमान मंदिर या किसी भी प्रसिद्ध मंदिर के नाम से शीघ्र समिति बनवाकर रजिस्ट्रेशन कराएं और कार्यक्रम की प्रवेशिका प्राप्त करें। प्रेसवार्ता में उपाध्यक्ष ईश्वर भाट, महामंत्री हरिचरण सिंह मेवाडा, कोषाध्यक्ष सुरेंद्र शर्मा, मंत्री संतोष सोनिया, धर्माचार्य सह प्रमुख गौरव प्यासी, महाराज मीडिया प्रभारी अभिषेक सोनिया, सज्जन सिंह पटेल, सह मीडिया प्रभारी प्रद्युमन बैरागी, पिंटू बैरागी धर्मेंद्र यादव संतोष राठौड़ (भवानी वाहिनी प्रमुख) महेश बामनिया आदि मौजूद रहे।

निगम अध्यक्ष कलावती यादव द्वारा वार्ड क्रमांक 51 अंतर्गत विशेष निधि के तहत डामरीकरण कार्य का भूमि पूजन किया

उज्जैन/नवप्रदेश। रविवार को वार्ड क्रमांक 51 अंतर्गत क्षेत्रीय पार्षद श्रीमती आशिमा गौरव सेंगर के प्रयासों से महानंदा नगर अंतर्गत विशेष निधि के तहत किए जाने वाले डामरीकरण कार्य का भूमि पूजन निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव द्वारा नगर भाजपा अध्यक्ष श्री संजय अग्रवाल, मंडल अध्यक्ष श्री परेश कुलकर्णी की उपस्थिति में किया गया। उल्लेखनीय है कि वार्ड क्रमांक 51 महानंदा नगर अंतर्गत सेक्टर बी की विभिन्न गलियों में विशेष निधि की राशि से डामरीकरण का कार्य किया जाएगा जिससे क्षेत्र के नागरिकों को आवागमन में सुविधा होगी। इस दौरान महामंत्री श्री आनंद खींची, श्री कमल बैरवा, मंडल महामंत्री श्री सचिन गोसर, श्री मधुकर राव, पार्षद श्रीमती निर्मला करण परमार उपस्थित रहे।

खाचरोद के शोएब अंसारी को मिस्टर आयरन मेन का खिताब

उज्जैन/नवप्रदेश। स्वर्गीय सुरेंद्र सिंह कुशवाह स्मृति में आयोजित राज्य शरीर सौष्ठव संस्था मध्य प्रदेश के तत्वावधान में उज्जैन जिला शरीर सौष्ठव संस्था एवं आयरन जिम द्वारा 36वीं जिला स्तरीय जूनियर, सीनियर, मेन फिजिक बॉडी बिल्डिंग चैंपियनशिप का भव्य आयोजन पॉलिटेक्निक कॉलेज के स्टेडियम में किया गया। मध्य रात्रि तक चले मुकाबले में सीनियर वर्ग में खाचरोद के बॉडीबिल्डर शोएब अंसारी शरीर की मांसपेशियों के मुकाबले में अव्वल रहे एवं मिस्टर आयरन मेन के खिताब पर कब्जा जमाने में सफल रहे। चैंपियनशिप ट्रॉफी 22 हजार नगद प्रदान कर सम्मानित किया गया। वहीं उज्जैन के बॉडीबिल्डर कमलेश चांगल बेस्ट पोजर के खिताब से नवाजे गए। उज्जैन के लोकेंद्र चुटेल मोस्ट मस्कुलर मेन एवं हैदर अली बेस्ट इंप्रूवड बॉडी के खिताब के अधिकारी बने। स्पर्धा का शुभारंभ बजरंगबली के चित्र पर पूजन अर्चन कर इंडियन बॉडीबिल्डर फेडरेशन के संयुक्त सचिव अतिन तिवारी, इंटरनेशनल रेफरी रोहित जेठवा, इंजीनियर पंडित दीपक गुरु, मनोज गोस्वामी, इंजी. गजेंद्र मेहता, संदीप सिंह कुशवाह ने किया। हजारों खेल प्रेमियों की उपस्थिति में राष्ट्रीय भावनाओं से युक्त संगीत की धुन पर थिरकते हुए शरीर साधना के पुजारी ने शानदार खेल की दावत प्रदान की। खिलाडियों ने राष्टीय एकता, स्वच्छता, स्वस्थ भारत का संदेश प्रदान किया। पुरस्कार वितरण समारोह की अतिथि प्रेस क्लब के अध्यक्ष नंदलाल यादव, विशाल सिंह हाडा, अशोक यादव, उमेश पहलवान, कृष्णा यादव, घनश्याम शर्मा, मध्य प्रदेश टेंट संगठन के अध्यक्ष समीर उल हक, अमित सचदेवा, एसडीएफ के हिमांशु जोशी, जयंत गिरी, गोपाल यादव ने किया। स्पर्धा का प्रभावी संचालन शैलेंद्र व्यास, स्वामी मुस्कुराने किया। आभार प्रदर्शन पूर्व मिस्टर इंडिया सिविल सर्विसेज एवं राज्य शरीर सौष्ठव संस्था मध्य प्रदेश के अध्यक्ष जितेन्द्र सिंह कुशवाह ने व्यक्त किया। चैंपियनशिप के निर्णायक अमित कनौजिया, देवेंद्र सिंह कुशवाह, विकास वर्मा, रवि मालवीय, अनिल चावंड थे। मार्शल की भूमिका संतोष डागरा, फईम उस्मानी थे। तकनीकी टीम में आकाश परिहार, सुजल् बामने ने भूमिका निर्वहन की। चैंपियनशिप में विभिन्न वजन विभागों में 1 लाख 30 हजार रुपए के केश प्राइज वितरित किए गए। स्पर्धा के परिणाम निम्नानुसार रहे..55 किलोग्राम वर्ग में कुणाल गोसर (प्रथम) ,मनोज कपासिया (द्वितीय) धीरज राठौर (तृतीय)... 60 किलो.. आजम खान (प्रथम), इब्राहिम खान ,(द्वितीय) ..निखिलेश सेन (तृतीय)... 65 किलो.. हैदर अली (प्रथम),ऋतिक पाउडे,(द्वितीय) ,उनेद खान (तृतीय)...70 किलो...समीर अंसारी (प्रथम), लखन सिंह हारोड,(द्वितीय) ,मंगलेश कारपेंटर, (तृतीय)... 75 किलो... शोएब मोहम्मद (प्रथम),शाहरुख शाह(द्वितीय) अमन मंसूरी , (तृतीय)... 80 किलो... फतेह अली (प्रथम), नरेंद्र आचार्य(द्वितीय) अयान खान (तृतीय)... 85 किलो.. लोकेंद्र चुटेल (प्रथम) ,वसीम खान (द्वितीय) अविनाश चौहान (तृतीय)... जूनियर वर्ग में आजम खान ,(प्रथम), मोहम्मद आसिफ(द्वितीय) ,अफजल खान (तृतीय) .. मेन फिजिक...170 सेमी वर्ग में..रवि माली (प्रथम), समीर अंसारी(द्वितीय), राहुल उदिया (तृतीय)... 170 सेमी अबोव वर्ग मे... अयान खान (प्रथम),मोहित महाजन (द्वितीय) उबेद खान (तृतीय) पदक से नवाजे गए... विभिन्न वजन विभागों के पुरस्कार मुकेश यादव, दिनेश जाटवा, बार एसोसिएशन के अध्यक्ष ओम सारवान, शक्ति वर्मा, संतोष विश्वकर्मा ,प्रतीक सिंह तोमर, सुनील बोरासी ,महेश बाबा ने प्रदान किये...।

न्यूज गैलरी

शादी का झांसा देकर लूटता रहा महिला की अस्मत...

कोतवाली पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

काँकेर/नवप्रदेश। महिला से शादी के नाम पर दुष्कर्म करने वाला आरोपी कृष्ण कांत वघाड़े पिता रविकांत वघाड़े उम्र 32 वर्ष निवासी वार्ड नं.56 दल्ली राजहरा जिला बालोद को गिरफ्तार किया गया है। कोतवाली पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर सलाखों को पीछे भेज दिया है।पुलिस से मिली जानकारी अनुसार पीड़िता ने थाना कांकेर मे उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि कृष्ण कांत वघाड़े पिता रविकांत वघाड़े उम्र 32 वर्ष निवासी वार्ड नं.56 दल्ली राजहरा जिला बालोद ने मुझे 20 सितंबर 2025 को कांकेर में बुलाकर मैं आपको पसंद करता हूँ एवं पीड़िता को शादी का प्रलोभन देकर मेरे इच्छा के विरूद्ध शारीरिक संबंध बनाया है की रिपोर्ट पर थाना कांकेर मे अपराध अपराध क्रमांक 407/2025 धारा 64,115(2), बीएनएस का अपराध कायम का विवेचना में लिया गया विवेचना के दौरान पुलिस कांकेर द्वारा त्वारित कार्यवाही करते हुए आरोपी कृष्ण कांत वघाड़े पिता रविकांत वघाड़े उम्र 32 वर्ष निवासी वार्ड नं.56 दल्ली राजहरा जिला बालोद को जिला रायपुर मुजगाहन से गिरफ्तार कर आरोपी को माननीय न्यायालय कांकेर में न्यायिक रिमाण्ड पर 07 दिसम्बर 2025 को पेश किया गया सम्पूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी कांकेर निरीक्षक मनीष नागर के नेतृत्व में, सउनि सोमेन्द्र सिंह आरक्षक राकेश बघेल रूद्र कुमार जुर्री का अहम भूमिका रहा है।

भारत माता परिसर में जन सहयोग का स्वच्छता अभियान.....

काँकेर/नवप्रदेश। समाज सेवी संस्था ÷जन सहयोग÷ तथा भूतपूर्व सैनिकों के सहयोग से आज रविवार को शहर के राजा पारा स्थित भारत माता मूर्ति परिसर में ज़बर्दस्त स्वच्छता अभियान चलाया गया।जिसमें कई ट्रैक्टर ट्राली भरकर कचरा साफ किया गया।÷ जन सहयोग÷ के अध्यक्ष अजय पप्पू मोटवानी के वक्तव्य के अनुसार बरसात के दिनों में संपूर्ण परिसर में बड़ी-बड़ी कँटीली झाड़ियां हो गई थीं एवं फालतू कचरा भी बहुत अधिक इकट्ठा हो गया था,जिसके कारण यह सुंदर परिसर खराब होकर रह गया था। नव वर्ष तथा अन्य त्योहारों के आगमन को दृष्टिगत रखते हुए समाज सेवकों द्वारा आज पक्के इरादे के साथ संपूर्ण परिसर तथा तथा कोमलदेव ज़िला अस्पताल के आसपास तक की सफ़ाई कई घंटे की मेहनत के बाद कर दी गई, जिससे इस इलाके की तस्वीर ही बदल गई। इस पुण्य कार्य में भाग लेने वाले समाज सेवकों में जन सहयोग के अध्यक्ष अजय पप्पू मोटवानी तथा भूतपूर्व सैनिक कल्याण परिषद के टेश्वर जैन के अलावा धर्मेंद्र देव करण नेताम, सागर देव शैलेंद्र देहारी, बल्लू राम यादव, पपन यादव, बलराम सिंह आदि उत्साही समाज सेवकों ने भाग लिया तथा संपूर्ण भारत-माता परिसर को आने वाले त्योहारों के लिए नई स्वच्छ तस्वीर के रूप में तैयार कर दिया।

डाकघर में आधार अपग्रेडशन शिविर संपन्न

काँकेर/नवप्रदेश। भारतीय डाक विभाग तथा बस्तर संभाग के अधीक्षक के मार्ग निर्देशन पर संभागीय निरीक्षक तुरकर व जांगडे के तत्वावधान शनिवार एवं रविवार को सरोना उप डाकघर में एक दिवसीय आधार कैम्प का आयोजन किया गया जिसमें आस-पास के आये हुए 35 से 40 लोगों ने शिविर का लाभ लिया जिसमें बच्चों का नया आधार बनाना आधार सुधार और भी आधार से सम्बन्धित कमियो वाले कार्य को सफलता पूर्वक किया गया।सरोना उप डाकघर के आधार इंचार्ज शेख फ़ैज़ान ने बताया की शिविर संचालन का उद्देश्य यह होता है कि अधिक से अधिक लोगो को इसका लाभ मिल सके इसके लिए डाक विभाग द्वारा सराहनीय कार्य किया जा रहा है। शिविर में ग्रामीण क्षेत्रों के आधार त्रुटियों सहित बच्चे बूढ़े महिलाओ के समस्त आधार को सुधार करते हुए नए आधार बनाकर त्रुटियों में सुधार किया जा रहा है

जिले में मनाया गया मनरेगा दिवस

बलरामपुर/ नवप्रदेश। कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा के निर्देशन एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर के मार्गदर्शन में आज मनरेगा दिवस का आयोजन किया गया। विकासखण्ड वाड्रफनगर अंतर्गत सभी 95 ग्राम पंचायतों में मनरेगा रोजगार दिवस का आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम में मनरेगा के प्रावधानों की विस्तार से जानकारी दी गई।

प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत वाटरशेड महोत्सव आयोजित

बलरामपुर/ नवप्रदेश। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना अंतर्गत विकासखंड रामचंद्रपुर के ग्राम देवीगंज में वाटरशेड महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें जिला पंचायत सदस्य एवं कृषि स्थाई समिति के द्वारा जल संरक्षण विषय पर विस्तृत जानकारी दिया गया परियोजना अधिकारी श्री रॉबिंसन सुधीर कुजूर के द्वारा वाटरशेड महोत्सव कार्यक्रम के बारे में जल और मृदा की उपयोगिता पर विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई।कार्यक्रम में स्कूली छात्र-छात्राओं के द्वारा प्रभात फेरी निकाली गई साथ ही अमृत सरोवर और सिंचाई नाली के साफ सफ़ाई में श्रमदान किया गया। इस दौरान करमा नृत्य के साथ साथ स्कूली छात्र-छात्राओं के लिए जल संरक्षण पर आधारित रंगोली प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य एवं कृषि स्थाई समिति के सभापति श्री बद्री यादव, जनपद पंचायत सदस्य श्रीमती सूरजमुनिया उइके, वाटरशेड समिति के अध्यक्ष श्री उदय भान मरकाम, अन्य जनप्रतिनिधिगण, वाटरशेड परियोजना के सभी अधिकारी-कर्मचारी, ग्रामीण एवं स्कूली छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

अलसुबह कलेक्टर ने धनवार व चूना पाथर चेक पोस्ट का किया औचक निरीक्षण

■ अवैध धान परिवहन पर कड़ी निगरानी रखने के दिए निर्देश

बलरामपुर/ नवप्रदेश। कलेक्टर राजेन्द्र कटारा के निर्देशन एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर के मार्गदर्शन में आज मनरेगा दिवस का आयोजन किया गया। विकासखण्ड वाड्रफनगर अंतर्गत सभी 95 ग्राम पंचायतों में मनरेगा रोजगार दिवस का आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम में मनरेगा के प्रावधानों की विस्तार से जानकारी दी गई। धान खरीदी व्यवस्था को पारदर्शी एवं प्रभावी बनाए रखने के उद्देश्य से कलेक्टर राजेंद्र कटारा ने आज अलसुबह विकासखण्ड वाड्रफनगर से लगे अंतरराज्यीय चेक पोस्ट धनवार का औचक निरीक्षण किया। कलेक्टर श्री कटारा ने चेक पोस्ट में तैनात कर्मचारियों से जांच प्रक्रिया तथा सुरक्षा की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने धान के अवैध परिवहन पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री कटारा ने कहा कि धान खरीदी के दौरान किसी भी प्रकार की अनियमितता या अवैध गतिविधि बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अवैध परिवहन पर सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने चेक पोस्ट पर वाहनों की जांच प्रक्रिया, सीसीटीवी, वाहनों के प्रवेश-निकास पंजी तथा कर्मचारियों की ड्यूटी सूची का भी अवलोकन किया। उन्होंने चेक पोस्ट में संबंधितों को निर्देशित करते हुए कहा कि वे हर स्थिति में सतर्क रहें और आने-जाने वाले सभी वाहनों की सघन जांच सुनिश्चित करें।

समर्थन मूल्य पर मेहनत का मिल रहा उचित दाम'

धान खरीदी में पारदर्शिता से खुश किसान

■ शिव कुमार बोले बच्चों के भविष्य के लिए मिला आर्थिक सहारा

बलरामपुर/ नवप्रदेश। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में धान खरीदी कार्य सुचारू और पारदर्शी तरीके से आगे बढ़ रहा है। जिले में भी निर्बाध रूप से किसानों से धान खरीदी की जा रही है। जिले के बलरामपुर विकासखंड के झलपी ग्राम पंचायत के शिव कुमार इस वर्ष धान खरीदी केंद्र पहुंचे उन्होंने बताया कि टोकन कटाने से लेकर धान बेचने तक की प्रक्रिया बेहद आसान और सरल रही। केंद्र पर पहुंचते ही कर्मचारियों ने तुलाई कर उनका 102 बोरी धान समर्थन मूल्य पर खरीदा। वे बताते हैं कि इस वर्ष वे लगभग 330 बोरी धान बेचने वाले हैं, जिससे उन्हें अच्छी आर्थिक आय होने की उम्मीद है। शिव कुमार कहते हैं सरकार की ओर से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी होने से हमें हमारी मेहनत का पूरा दाम मिलता है। इस वर्ष मिलने वाले पैसे से मैं अपने बच्चों के ब्याह का खर्च आसानी से पूरा कर सकूंगा। उन्होंने खरीदी व्यवस्था संतोष जताया।

शिवकुमार ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार जताते हुए कहा कि वर्तमान सरकार किसानों के हित में सक्रिय रूप से कार्य कर रही है। समर्थन मूल्य पर खरीदी पूरी तरह से किसानों को समर्पित है। इससे हमें सीधा आर्थिक लाभ मिलता है और हमारी कठिन मेहनत का उचित मूल्य प्राप्त होता है।

प्रशासन की सतर्कता से 400 बोरी अवैध धान से भरा ट्रक जब्त

जिले में धान खरीदी व्यवस्था को पारदर्शी एवं सुरक्षित बनाए रखने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा अवैध धान परिवहन पर सतत निगरानी रखी जा रही है। इसी कड़ी में उत्तर प्रदेश की ओर से एक ट्रक में अवैध रूप से धान लाए जाने की जानकारी प्राप्त होते ही प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए ट्रक को पकड़ा गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ट्रक नंबर सीजी 29 एएफ0480 में लगभग 400 बोरी अवैध धान लोड था, जिसे बिना वैध दस्तावेजों के जिले की सीमा में लाया जा रहा था। प्रशासनिक टीम ने मौके पर पहुंचकर ट्रक को रोका, सामग्री की जांच की और धान को कब्जे में लेकर वाहन को संबंधित थाने के सुपुर्द कर दिया है।अनुविभागीय अधिकारी श्री नीर नंदेहा ने कहा है कि जिले में धान खरीदी सीजन के दौरान प्रत्येक स्तर पर अवैध गतिविधि पर निगरानी रखी जा रही है। चेक पोस्टों पर निगरानी को और अधिक सुदृढ़ किया गया है। उन्होंने कहा है कि आगे भी अवैध परिवहन , भंडारण गतिविधियों पर सतत निगरानी रखते हुए सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अंतागढ़ में 'मावा मोदोल' की तैयारियों का सीईओ ने लिया जायजा

■ 15 दिसंबर तक कार्य पूर्ण करने के निर्देश

काँकेर/नवप्रदेश। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री हरेश मंडावी ने आज अंतागढ़ में स्थापित 'मावा मोदोल' अध्ययन केंद्र की तैयारियों का विस्तृत निरीक्षण किया। उन्होंने केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं, व्यवस्थाओं और प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

'मावा मोदोल' जिला प्रशासन की अभिनव पहल है, जिसके माध्यम से स्थानीय युवाओं को निःशुल्क कोचिंग, पुस्तकें और डिजिटल संसाधन उपलब्ध कराकर उन्हें विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 'मावा मोदोल' का संचालन क्षेत्र के युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण शैक्षिक अवसर साबित होगा और यह पहल अंतागढ़ के शैक्षिक विकास में नई ऊर्जा लाएगी।

निरीक्षण के दौरान सीईओ श्री मंडावी ने बैठने की व्यवस्था, पुस्तक उपलब्धता, परिसर की सफ़ाई तथा डिजिटल संसाधनों की स्थिति की बारीकी से जांच की।

उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि मावा मोदोल केंद्र को 15 दिसंबर तक पूर्ण रूप से तैयार कर लिया जाए। उन्होंने परिसर में अपूर्ण टाइल्स कार्य को तत्काल ूरा करने, भवन परिसर में स्थापित खंभे को हटाने तथा साफ-सफ़ाई सुनिश्चित करने के निर्देश सीएसईबी के जेई और अन्य संबंधित विभागों को दिए।

निरीक्षण के दौरान जनपद सीईओ अंतागढ़, खंड शिक्षा अधिकारी अंतागढ़ सेजेस प्रिंसिपल, उप अभियंता आरईएस सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

रेलवे सलाहकार बोर्ड के सदस्यों को काँचेका ने ज्ञापन सौंपा

■ कांकेर मुख्यालय को भानुप्रतापपुर रेल लाइन से जोड़ने की मांग

काँकेर/नवप्रदेश। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर रेल मंडल की रेल उपभोक्ता सलाहकार समिति डीआरयूसीसी रायपुर की द्वितीय बैठक दिसंबर माह में रायपुर रखी गई है छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेशाध्यक्ष सतीश थोरानी के पहल पर रायपुर रेल मंडल के अंतर्गत आने वाले समस्त स्टेशनों के लिए नई मांग एवं महत्वपूर्ण सुझाव छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा मांग की गई थी जिसे रेल मंडल की होने वाली उपरोक्त बैठक मैं रखा जा सकें जिसके लिए छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स की अनुशंसा पर रेलवे सलाहकार बोर्ड के सदस्य लोकेश चंद्रकांत जैन एवं जितेंद्र सादीजा को नामित भी किया गया हैं।तथा छत्तीसगढ़ चेंबर द्वारा प्रदेश के विभिन्न रेल्वे स्टेशनों से संबंधित सुझाव से अवगत कराए जाने हेतु लोकेश एवं जितेन्द्र को प्रभारी भी बनाया गया हैं।जिन्हें कांकेर चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष अनूप शर्मा,निरंजन सिंह ठाकुर एवं बाबा ठाकुर द्वारा कांकेर जिला मुख्यालय को रेल मार्ग से जोड़ने एवं कांकेर ज़िला मुख्यालय अंतर्गत आने वाले भानुप्रतापुर स्टेशन से संबंधित महत्वपूर्ण मांग एवं सुझाव पत्र विगत दिनों रायपुर चेंबर भवन में सौंपा गया।

कांचेका के सौंपे गए ज्ञापन में

प्रमुख मांगे इस प्रकार है जैसे धमतरी से जिला मुख्यालय कांकेर व्हाया चारामा नई रेल्वे लाइन का विस्तार किए जाने हेतु संपूर्ण विवरणों एवं सुझावों के साथ मांग पत्र सौंपी दल्ली से दुर्ग 3 दिन चलने वाली ट्रेन को प्रतिदिन किया जाए और इसे भानुप्रतापु से चालु किया जाय।सभी ट्रेन में बोगी बढ़ाई जाए अंतागढ़ से गोंदिया एवम् बिलासपुर के लिये नई ट्रेन चालू की जावे।

कांग्रेस प्रदेश महासचिव जनकनंदन के नेतृत्व में झमित कुड़ियाम ने किया नवनियुक्त ज़िला अध्यक्ष का स्वागत

काँकेर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज की अनुशंसा पर कांकेर जिले के नवनियुक्त ज़िला अध्यक्ष बसंत यादव के कांकेर प्रथम आगमन को लेकर छत्तीसगढ़ कांग्रेस के प्रदेश महासचिव जनकनंदन कश्यप के नेतृत्व में कांग्रेस के मंडल उपाध्यक्ष झमीत कुड़ियाम अपने सैकड़ों युवा कांग्रेस कार्यकताओं के साथ ज्ञानी चौक से विशाल बाइक रैली निकाल कर कांग्रेस के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष बसंत यादव की स्वागत रैली में शामिल हुए।इस दौरान युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओ ने राहुल गांधी सोनिया गांधी प्रियंका गांधी कांग्रेस चीफ़ खड़गे दीपक बैज भूपेश विधायक सावित्री मंडावी बघेल बसंत यादव जितेंद्र ठाकुर जिंदाबाद के जमकर नारे लगाते हुए आतिशबाजी किया गया।

कांग्रेस के युवाओं ने बाइक रैली निकालकर कांकेर मुख्यालय में नारेबाजी और ऐतिहासिक स्वागत आतिशबाजी से नगर को कांग्रेसमय कर दिया।

इस दौरान कांग्रेस मंडल उपाध्यक्ष झमीत कुड़ियाम प्रकाश लोकेश सहित बड़ी संख्या में युवा कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद थे।

सर्व आदिवासी समाज की अनूठी पहल,नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा पूर्व मेगा टेस्ट में क्षेत्र के सैकड़ों बच्चों ने लिया हिस्सा

अंतागढ़/नवप्रदेश। अंतागढ़ के गोंडवाना भवन में सर्व आदिवासी समाज और गोंडवाना समाज के पदाधिकारियों की पहल से क्षेत्र के कक्षा पाँचवी में पढ़ रहे बच्चों को जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा और एकलव्य परीक्षा की निशुल्क कोचिंग दी जा रही हैं।जिसमें क्षेत्र के अभिभावक बड़े ही उत्साह के साथ बच्चों को लेकर गोंडवाना भवन अंतागढ़ आते हैं। वहीं सर्व आदिवासी समाज के

पदाधिकारियों ने शिक्षा पर जनजागरूकता पहल करते हुई तेरह दिसंबर को होने वाली जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा को लेकर,परीक्षा पूर्व सात दिसम्बर रविवार को अंतागढ़ के गोंडवाना भवन में मेधा टेस्ट का आयोजन किया गया। जिसमें क्षेत्र के सैकड़ो बच्चों ने टेस्ट में शामिल हुए। वहीं टेस्ट को लेकर ग्रामीण अभिभावकों में भारी उत्साह देखने को मिला।क्षेत्र के आए हुए कई पालकों ने बताया की सर्व आदिवासी समाज के पदाधिकारियों का कोचिंग से भी हमारे बच्चों को बहुत फायदा मिल रहा हैं वहीं आज के परीक्षा पूर्व मेगा मूल्यांकन परीक्षा से क्षेत्र के कई ग्रामीण बच्चों को सीधा इसका लाभ मिला।

प्रथम पेज का शेष

रक्षामंत्री ने रणनीतिक महत्व ...

यह उपलब्धि एक तरफ तो विकसित भारत के संकल्प का प्रमाण है, तो वहीं दूसरी तरफ ये प्रोजेक्ट बॉर्डर इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने की हमारी सरकार के कमिटमेंट का भी एक सजीव उदाहरण है।

उन्होंने कहा, मुझे याद है, इसी वर्ष मई महीने में, हमने 50 परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित की थीं। मुझे उस समय भी बड़ी खुशी हुई थी। आज आपने इस ऐतिहासिक पड़ाव के साथ, मेरी खुशी को कई गुना बढ़ा दिया है। पिछले कुछ वर्षों में बीआरओ ने जिस तेजी से सीमावर्ती इलाकों में इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास किया है, उसने राष्ट्रीय विकास को भी बड़ी तेजी प्रदान की है। स्वदेशी समाधान के माध्यम से, जटिल प्रोजेक्ट को भी सफलतापूर्वक पूरा कर, बीआरओ आज 'संचार' और 'कनेक्टिविटी' के पर्याय के रूप में उभर चुका है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि हमारा हमेशा यह प्रयास रहा है कि लद्दाख समेत जितने भी बॉर्डर एरिया हैं, उनके साथ हमारा कम्युनिकेशन और कनेक्टिविटी और अधिक मजबूत हो। इसका एक और उदाहरण यदि मैं आपके सामने दूं, तो अभी हाल ही में चाणक्य डिफेंस डायलॉग के दौरान मैंने लद्दाख में 200 किलोवाट के ग्रीन हाइड्रोजन आधारित पावर प्लांट का उद्घाटन किया, जो इस क्षेत्र के साथ-साथ आसपास के क्षेत्रों के लिए भी बहुत लाभकारी होगा।

उन्होंने कहा, हमारी सेनाओं के बहादुर जवान और आप जैसे बीआरओ के सभी कर्मी देश के लिए लगातार काम कर रहे हैं। किसी भी मौसम में, किसी भी स्थिति में काम करते रहने की आपकी जो भावना है, उसी का यह परिणाम है कि आज हमारा देश लगातार नई ऊंचाइयां छू रहा है। 2014 तक जहां भारत के पास 97 हजार किलोमीटर तक के नेशनल हाइवे थे, वहीं आज इनकी संख्या बढ़कर लगभग 1.5 लाख किलोमीटर तक हो चुकी है। 2014 में भारत के पास जहां सिर्फ 74 एयरपोर्ट थे, वहीं आज इनकी संख्या दो गुनी से भी ज्यादा बढ़ चुकी है। कुल मिलाकर साथियों, आपकी सफलता उसी पर टिकती है कि आपने कितना श्रम किया।

डीजीसीए ने अब अकाउंटेबल ...

इंडिगो की ÷बड़े पैमाने पर परिचालन विफलताएं÷ योजना, निगरानी और संसाधन प्रबंधन में महत्वपूर्ण खामियों की ओर इशारा करती हैं। नोटिस में आगे कहा गया कि ऐसा लगता है कि एयरलाइन ने विमान नियम, 1937 के नियम 42ए का उल्लंघन किया है, साथ ही ड्यूटी अवधि, उड़ान समय सीमा और चालक दल के सदस्यों के लिए अनिवार्य आराम से संबंधित नागरिक उड्डयन आवश्यकताओं (सीएआर) के कई प्रावधानों का भी उल्लंघन किया है।

इंडिगो संकट पर ...

में और गौरव अहंकार में बदल गई। पत्र के अनुसार, एयरलाइन की बदहाली की जड़ वहीं से शुरू हुई, जब प्रबंधन ने अनुभव और योग्यता की अनदेखी करते हुए ऐसे लोगों को बड़े पद सौंप दिए, जिनके पास न विशेषज्ञता थी और न ही संचालन की समझ।

पत्र में आगे कहा गया है कि पायलटों और कर्मचारियों की थकान, सुरक्षा और ड्यूटी नियमों को लगातार नजरअंदाज़ किया गया। थकान और ओवरवर्किंग पर आपत्ति जताने वाले कई पायलटों को दफ्तर में बुलाकर डांटा, डराया और अपमानित किया गया। हालात यह तक पहुंच गए कि बिना किसी अतिरिक्त वेतन के नाइट ड्यूटी, शिफ्ट और काम का बोझ कई गुना बढ़ा दिया गया।

सतत निगरानी, सघन जांच

कर्तव्यपथ में उत्कृष्टता से कार्य करने वाले 328 हॉक फोर्स सहित पुलिस अधिकारियों को आउट ऑफ टर्न प्रमोशन दिया गया है। उन्होंने कहा कि जो कानून की राह अपनाते हैं, उनकी पुनर्वास की चिंता सरकार की है।

डीजीपी श्री कैलाश मकवाना ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में एंटी नक्सल अभियान को सशक्त किया गया है। नए कैंप स्थापित किए गए हैं, हॉक फोर्स और पुलिस बल में वृद्धि की गई है। साथ ही अधिकारियों और जवानों को सतत प्रोत्साहन दिया जा रहा है। इन कार्रवाइयों के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। मध्यप्रदेश सहित अन्य राज्यों में भी नक्सल समर्पण लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि रोजगार और स्किल डेवलपमेंट के प्रयासों से नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के युवाओं और नागरिकों को मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। मध्यप्रदेश पुलिस निर्धारित समय-सीमा में नक्सल मुक्ति के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में परिवहन एवं स्कूल शिक्षा और बालाघाट के प्रभारी मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह, पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और जवान उपस्थित रहे।

इन नक्सलियों ने किया आत्म समर्पण

सुरेंद्र उर्फ कबीर उर्फ सोमा सोढी पिता उंगा सोढी जाति गोंड उम्र 50 निवासी पुलमपाढ थाना गुल्लापल्ली जिला सुकमा छग।

राकेश ओडी उर्फ मनीष पिता समरत ओडी जाति गोंड उम्र 42 निवासी ग्राम झंडेपार (बोट्टेकसा) थाना कोरची जिला गडचिरौली महाराष्ट्र।

लालसिंह मरावी उर्फ सींगा उर्फ प्रवीण पिता भीमा माता ऊंगी जाति गोंड उम्र 30 निवासी छोटे गुडरा थाना कटेकल्याण जिला दंतेवाड़ा छग। शिल्पा नुप्पो पिता जोगा माता ..बीमे..जाति गोंड उम्र 26 निवासी बुडिया बट्टुम थाना बासीगुडा तहसील हवापल्ली जिला बीजापुर छग। सलीता उर्फ सावित्री अलावा पिता लकमु माता चिको जाति गोंड उम्र 26 निवासी सीनागेलोर थाना बासागुडा तहसील हवापल्ली जिला बीजापुर छग।

न्यूज गैलरी

चुनाव हारते ही तेज प्रताप की मुश्किलें बढ़ीं: निजी आवास पर 3.6 लाख का बिजली बिल बाकी

पटना। राष्ट्रीय जनता दल प्रमुख लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे और पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव एक बार फिर विवादों में घिर गए हैं। हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनावों में मिली करारी हार के बाद अब उनके सामने एक नई मुसीबत खड़ी हो गई है। पटना के बेउर स्थित उनके निजी आवास के बिजली बिल को लेकर एक चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। विभागीय आंकड़ों के मुताबिक, तेज प्रताप यादव ने पिछले तीन साल से अपने इस घर का बिजली बिल नहीं भरा है, जिसके चलते अब उन पर बिजली कंपनी का 3.6 लाख रुपये से अधिक का बकाया हो गया है। मिली जानकारी के अनुसार, तेज प्रताप यादव भले ही विधायक होने के नाते लंबे समय से सरकारी बंगले में रह रहे हों, लेकिन बेउर में उनका एक निजी मकान भी है। बिजली विभाग के रिकॉर्ड बताते हैं कि इस मकान पर लगे कनेक्शन (कंज्यूमर खाता संख्या 101232456) का बिल जुलाई 2022 के बाद से जमा ही नहीं किया गया है। रिकॉर्ड के मुताबिक, आखिरी बार 20 जुलाई 2022 को उन्होंने करीब 1 लाख 4 हजार रुपये का भुगतान किया था। इसके बाद लगातार बिजली का उपयोग तो होता रहा, लेकिन बिल का भुगतान नहीं किया गया। अब बकाये की कुल राशि 3,24,974 रुपये हो गई है, जिसमें 23 हजार रुपये से ज्यादा का जुर्माना भी शामिल है।

मैक्सिको में पुलिस स्टेशन के बाहर धमाका, तीन की मौत, छह घायल

नई दिल्ली(आईएएनएस)। मैक्सिको में पुलिस स्टेशन के बाहर जोरदार धमाके की खबर सामने आई है। इस घटना में तीन लोगों की मौत हो गई और छह लोग घायल हो गए। घायलों को आनन-फानन में इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। सुरक्षा अधिकारियों की ओर से साझा जानकारी के अनुसार शनिवार को पश्चिमी मैक्सिकन के मिचोआकन में एक स्थानीय पुलिस स्टेशन के बाहर हुए धमाके में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और छह लोग घायल हो गए। हाल के कुछ दिनों में इन जगहों पर कुछ हाई-प्रोफाइल मर्डर के मामले देखने को मिले। इसके बाद वहां की फेडरल सरकार ने सुरक्षा गतिविधियों को बढ़ा दिया था और भारी संख्या में सैनिकों की तैनाती की गई थी। अटॉर्नी जनरल के ऑफिस की ओर से इस संबंध में एक बयान भी जारी किया गया है। बयान के अनुसार, कोहुआयाना में एक सेंट्रल एवेन्यू पर एक गाड़ी में धमाका हुआ। ड्राइवर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो और लोगों की स्थानीय अस्पताल में मौत हो गई, और छह दूसरे घायल हो गए। कोहुआयाना कम्युनिटी पुलिस के कमांडर हेक्टर जेपेडा ने कहा कि अस्पताल में मरने वाले दो लोग कम्युनिटी पुलिस अधिकारी थे। शव धमाके वाली जगह पर बिखरे हुए मिले। धमाके की वजह से आसपास की इमारतों को भी नुकसान हुआ। जेपेडा ने कहा, फेडरल सरकार की ओर से चलाए जा रहे इस ऑपरेशन के साथ बहुत सारे सैनिक आए।

कोलकाता के ब्रिगेड ग्राउंड में पांच लाख लोगों ने गीता पाठ किया

पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के ऐतिहासिक ब्रिगेड परेड ग्राउंड में रविवार को एक अभूतपूर्व दृश्य देखने को मिला, जहाँ सनातन संस्कृति संसद द्वारा आयोजित सामूहिक गीता पाठ में 5 लाख से अधिक श्रद्धालु शामिल हुए। आयोजकों ने इसे भारत में अब तक का सबसे बड़ा सामूहिक गीता पाठ बताया है। इस विशाल आयोजन का मुख्य उद्देश्य गीता के संदेश को आम लोगों तक पहुँचाना और सनातन संस्कृति की मूल भावना को मजबूत करना है। कार्यक्रम में देशभर से संत-महंत और आध्यात्मिक हस्तियाँ शामिल हुईं। पद्मश्री कार्तिक महाराज ने इस अवसर पर कहा कि गीता हिंदुओं का सबसे पवित्र ग्रंथ है और यह सभी को एकजुट करती है, यह विश्व कल्याण का मार्ग है। उन्होंने यह भी कहा कि इस कार्यक्रम का किसी भी प्रकार की राजनीति से कोई संबंध नहीं है। सामूहिक पाठ में भाजपा नेताओं ने भी सक्रिय रूप से भाग लिया। पूर्व राज्य अध्यक्ष दिलीप घोष ने इस आयोजन को हिन्दुओं के जागरण का प्रतीक बताया। सांसद सुकांत मजूमदार ने शनिवार को ही श्रद्धालुओं को खाना खिलाकर सेवा में योगदान दिया। राज्यपाल सीवी आनंद बोस और बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री जैसे प्रमुख व्यक्तित्व भी इस आयोजन में शामिल हुए।

न्याजा यात्रा देख गदगद हुए भक्त; बड़ियारी वंशजों ने की थी मंदिर की स्थापना

कुमाऊं-गढ़वाल की कालिंका के मेले में उमड़ी हजारों की भीड़

गढ़वाल और कुमाऊं की सीमा पर स्थित प्राचीन कालिंका माता मंदिर में शनिवार को पारंपरिक जतोड़ मेला आयोजित हुआ। हर तीन साल में आयोजित होने वाले इस मेले में हजारों की संख्या में भक्त शामिल हुए। ठंडे मौसम के बावजूद सुबह से ही मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। यह मेला न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि बड़ियारी वंशजों और उनके गांवों की सांस्कृतिक पहचान का जीवंत उत्सव भी माना जाता है। मंदिर प्रशासनिक रूप से पौड़ी गढ़वाल जिले के बीरोंखाल ब्लॉक में आता है, जबकि अल्मोड़ा जिले की सीमा इसके बिल्कुल पास है।

यही स्थिति इसे गढ़वाल और कुमाऊं के दोनों क्षेत्रों के लिए समान रूप से पवित्र और महत्वपूर्ण बनाती है। जतोड़ मेले की एक खास पहचान 'न्याजा' परंपरा है, जिसमें प्रमुख रूप से 14 गांवों के लोग देवी का ध्वज लेकर गांव-गांव भ्रमण करते हैं। मेले के अंतिम दिन, न्याजा दल ढोल-दमाऊ की थाप के साथ कालिंका धाम पहुंचते हैं और मंदिर परिसर में प्रवेश कर भक्तों को दर्शन प्रदान करते हैं। उत्तराखण्ड के दो जिलों, पौड़ी गढ़वाल और अल्मोड़ा के 14 गांवों में बड़ियारी रावत वंशज अपनी कुल देवी मां काली के रूप में मां भगवती न्याजा की सामूहिक पूजा और यात्रा आयोजित करते हैं। यह यात्रा इस साल सिर्फ 6 दिनों की हुई, 1 दिसंबर को माता के स्वरूप में न्याजा यात्रा कोठा तल्ला गांव में निकली, इस बीच कई गांवों से हजारों श्रद्धालु इसमें शामिल हुए। यात्रा का प्रारंभ हर साल कोठा गांव से ही होता है और विभिन्न गांवों से होते हुए न्याजा मंदिर में पहुंचती है। यात्रा के दौरान लाल और सफेद रंग का ऊंचा ध्वज और अखंड जोत साथ रहती है, जो सभी श्रद्धालुओं के लिए आस्था का प्रतीक है।

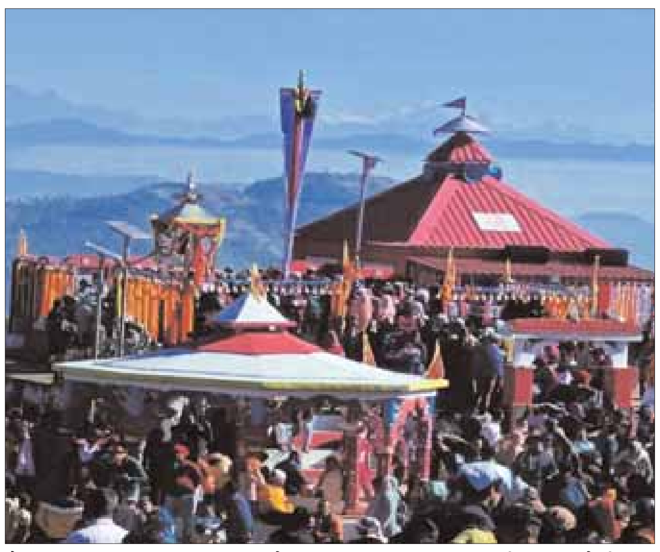

बड़ियारी वंशज अल्मोड़ा के मवाण बाखली, तल्लीसैंण, बाखली रानी, मल्ला लखोरा, मठखानी और बंदरकोट मल्ला तथा पौड़ी गढ़वाल के बीरोंखाल क्षेत्र के कोठा, धोबीघाट, मरखोली और थबरिया तल्ला गांवों में रहते हैं। यात्रा में लगभग 150 लोग न्याजा के साथ रहते हैं, पुजारी और जगरिए यात्रा की देखरेख करते हैं और धर्मिक अनुष्ठानों को पूरा करते हैं। पौराणिक लोक कथाओं के अनुसार बड़ियारी वंशजों के पूर्वज लैली बूबा 17वीं शताब्दी में टिहरी जिले के वडियार गढ़ में पैदा हुए।

माता वैष्णो देवी भक्तों के लिए खुशखबरी, अब रात 12 बजे तक कटरा स्टेशन पर मिलेगा आरएफआईडी कार्ड

कटरा। मां वैष्णो देवी के दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं की सुविधाएँ बढ़ाने के लिए श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने यात्रा पंजीकरण की समय-सारणी में बदलाव किया है। अभी तक सभी यात्रा पंजीकरण केंद्रों पर श्रद्धालुओं को सुबह 4 बजे से रात 10 बजे तक ही आरएफआईडी यात्रा कार्ड मिलता था, जिसके बाद ही वे यात्रा शुरू कर सकते थे। बिना आरएफआईडी कार्ड के माता वैष्णो देवी यात्रा की अनुमति नहीं है, जिसके कारण देर रात आने वाले श्रद्धालुओं को दिक्कतों का सामना करना पड़ता था।इन समस्याओं को देखते हुए श्राइन बोर्ड ने समय-सारणी में परिवर्तन किया है। नए आदेश के अनुसार कटरा रेलवे स्टेशन परिसर स्थित यात्रा पंजीकरण केंद्र पर अब सुबह 5 बजे से रात 12 बजे तक आरएफआईडी यात्रा कार्ड उपलब्ध रहेगा। दर्शनी डियोड़ी प्रवेश द्वार पर देर रात ऑनलाइन यात्रा पर्ची लेकर आने वाले श्रद्धालु और देर रात आने वाली ट्रेनों से पहुंचने वाले यात्री अपने ट्रेन टिकट और ट्रेन का नाम बताकर तुरंत आरएफआईडी कार्ड प्राप्त कर सकेंगे। नए ताराकोट मार्ग पर स्थित पंजीकरण केंद्र पर श्रद्धालुओं को 24 घंटे आरएफआईडी यात्रा कार्ड उपलब्ध होगा, चाहे उनके पास ऑनलाइन यात्रा पर्ची हो या वे तत्काल सेवा लेना चाहें। कटरा मुख्य बस अड्डा और अंतरराज्यीय बस अड्डे पर स्थित दोनों पंजीकरण केंद्रों के समय में कोई बदलाव नहीं किया गया है। यहाँ पहले की तरह सुबह 4 बजे से रात 10 बजे तक आरएफआईडी कार्ड जारी किए जाएंगे।कटरा हेलीपैड पंजीकरण केंद्र पर यात्रियों को हेलीकॉप्टर सेवा के समय के दौरान ही, अर्थात सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक, आरएफआईडी कार्ड मिलेंगे। जम्मू रेलवे स्टेशन के पास स्थित वैश्णवी भवन और जम्मू एयरपोर्ट के यात्रा पंजीकरण केंद्रों की समय-सारणी में भी कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। दोनों स्थानों पर सुबह 5 बजे से रात 10 बजे तक कार्ड जारी किए जाएंगे। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड का यह नया आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। प्रशासन का कहना है कि इन बदलावों का उद्देश्य श्रद्धालुओं की सुविधा बढ़ाना है, ताकि देर रात यात्रा पर आने वाले यात्रियों को कोई परेशानी न हो। साथ ही श्राइन बोर्ड कटरा के चिंतामणि मंदिर क्षेत्र में भी एक नया पंजीकरण केंद्र खोलने की तैयारी कर रहा है, जहाँ आने वाले दिनों में श्रद्धालुओं को यात्रा पंजीकरण की सुविधा मिल सकेगी।

खेल, व्यापार, मनोरंजन

टीम इंडिया को वर्ल्ड चैंपियन बनाने वाले कोच की नई पारी

अब इस टीम का थाम लिया हाथ; टी20 वर्ल्ड कप के लिए तैयार करेंगे प्लान

विंडहोक । भारतीय क्रिकेट इतिहास में साल 2011 का वनडे वर्ल्ड कप बेहद खास है, जब टीम इंडिया ने 28 साल बाद ट्रॉफी पर कब्जा किया था। उस ऐतिहासिक जीत में महेंद्र सिंह धोनी के साथ अहम भूमिका निभाने वाले तत्कालीन हेड कोच गैरी कर्स्टन को अब एक नई जिम्मेदारी मिली है। दक्षिण अफ्रीका के इस दिग्गज को नामीबिया की राष्ट्रीय पुरुष क्रिकेट टीम का सलाहकार नियुक्त किया गया है। कर्स्टन अब नामीबिया के मुख्य कोच क्रेग विलियम्स के साथ मिलकर काम करेंगे और टीम को अगले साल होने वाले टी20 वर्ल्ड कप के लिए तैयार करेंगे। अपनी इस नई नियुक्ति पर गैरी कर्स्टन ने खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि क्रिकेट नामीबिया के साथ जुड़ना उनके लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने नामीबिया के क्रिकेट इंफ्रास्ट्रक्चर की तारीफ करते हुए कहा कि उनका नया अत्याधुनिक क्रिकेट स्टेडियम इस बात का सबूत है कि वे दुनिया के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट देशों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार हैं। कर्स्टन ने बताया कि नामीबिया की सीनियर टीम लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही है और वह आगामी टी20 विश्व कप के लिए टीम की तैयारियों में अपना योगदान देने के लिए बेहद उत्साहित हैं।

गैरी कर्स्टन का कोचिंग करियर बेहद शानदार और अनुभव से भरा रहा है। साल 2004 में क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद उन्होंने कोचिंग की दुनिया में कदम रखा था। साल 2007 में उन्हें भारतीय टीम का मुख्य कोच बनाया गया, जिसके बाद 2011 में भारत विश्व विजेता बना। इसके बाद उन्होंने दक्षिण अफ्रीका की राष्ट्रीय टीम के अलावा दुनिया भर की कई टी20 फ्रेंचाइजी टीमों को भी कोचिंग दी। गौरतलब है कि साल 2024 में उन्होंने पाकिस्तान की पुरुष टीम के हेड कोच के रूप में भी जिम्मेदारी संभाली थी।बतौर खिलाड़ी भी गैरी कर्स्टन का रिकॉर्ड बेमिसाल रहा है। उन्होंने साल 1993 में दक्षिण अफ्रीका के लिए टेस्ट डेब्यू किया था और अपने देश के लिए 100 से ज्यादा टेस्ट मैच खेले। 101 टेस्ट मैचों में उन्होंने 21 शतकों और 34 अर्धशतकों की मदद से 7289 रन बनाए। वहीं, वनडे क्रिकेट में उनके नाम 13 शतकों के साथ 6798 रन दर्ज हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उन्होंने अपना आखिरी मैच साल 2004 में खेला था, जिसके बाद से वह लगातार नए खिलाड़ियों को तराशने का काम कर रहे हैं।

रणवीर सिंह की धुरंधर का बॉक्स ऑफिस पर धमाल, आते ही सैयारा को दी धोबी पछाड़

पिछले काफी समय से दर्शकों को रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर का इंतजार था। 5 दिसंबर को ये फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हुई और इसने रिलीज होते ही बॉक्स ऑफिस पर धमाका कर दिया। इसने न सिर्फ रणवीर के करियर की सबसे बड़ी ओपनिंग दर्ज की, बल्कि 2025 की पहले दिन सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों की सूची में भी अपनी जगह बना ली। आइए जानें पहले दिन धुरंधर ने बॉक्स ऑफिस पर क्या कमाल किया।फिल्म की एडवांस बुकिंग पहले से ही शानदार रही थी, इसलिए धुरंधर की अच्छी ओपनिंग की पूरी उम्मीद जताई जा रही थी, लेकिन ये फिल्म अनुमान से कहीं ज्यादा आगे निकल गई। एडवांस बुकिंग में ही लगभग 9 करोड़ रुपये जुटा चुकी धुरंधर से उम्मीद थी कि ये पहले दिन 15 से 20 करोड़ रुपये का कारोबार कर लेगी, मगर फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर ऐसी छलांग लगाई कि ट्रेड पंडितों की भविष्यवाणियों को भी गलत साबित कर दिया।सैकनिल्क के मुताबिक, धुरंधर ने पहले दिन भारत में 27 करोड़ रुपये की कमाई की। इसके साथ ही ये रणवीर के करियर की सबसे बड़ी ओपनर बन गई है। इसने उनकी फिल्म सिंबा को पछाड़कर ये मुकाम हासिल किया है। धुरंधर के निर्देशक आदित्य धर हैं। इसमें संजय दत्त, अर्जुन रामपाल, अक्षय खन्ना और आर माधवन ने भी अहम भूमिका निभाई है। फिल्म के देशभर में 13,000 शोज थे। इसका बजट 280 करोड़ रुपये बताया जा रहा है।धुरंधर ने अनीत पड्डा और अहान पांडे की फिल्म सैयारा के 21.9 करोड़ रुपये के कारोबार को भी पीछे छोड़ दिया है और ये 2025 की पहले दिन तीसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन चुकी है। हालांकि, ये फिल्म पहले दिन विक्की कौशल की छावा को मात नहीं दे पाई, जो 31 करोड़ की ओपनिंग के साथ 2025 की सबसे बड़ी ओपनर रही है। उधर 29 करोड़ की कमाई के साथ वॉर 2 दूसरे स्थान पर काबिज है।उधर धनुष और कृति सैनन की तेरे इश्क में ने 8 दिनों में अपने बजट से ज्यादा कमाई कर ली है। फिल्म की लागत 85 करोड़ रुपये है, वहीं ये 87 करोड़ से ज्यादा कमा चुकी है।

किस-किस को प्यार करूं 2 का गाना राँझे नू हीर हुआ रिलीज, कपिल और हीरा के रोमांस ने लगाई आग

कॉमेडियन और एक्टर कपिल शर्मा स्टारर फिल्म किस किस को प्यार करूँ 2 जल्द ही बड़े परदे पर दस्तक देने वाली है। फिल्म का नया गाना राँझे नू हीर रिलीज हो गया है जिसे आवाज जुबिन नौटियाल ने दी है। इस गाने में हमेशा हंसाने वाले कपिल को आप रोमांटिक अंदाज में देखेंगे। फिल्म में कपिल के अलावा आयशा खान, पारुल गुलाटी, हीरा वारिना और त्रिधा चौधरी नजर आने वाली हैं। इस फिल्म में भी कपिल की तीन शादियाँ होंगी लेकर अलग-अलग धर्मों में। फिल्म किस किस को प्यार करूं 12 दिसंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज़ हो रही है। रांझे नु हीर को साल के सबसे रोमांटिक गानों में से एक माना जा रहा है। दिल से निकला संगीत, शायरी से भरे बोल और सच्चे प्यार को सेलिब्रेट करता इसका विजुअल इसे खास बना देता है। कपिल शर्मा और हीरा वरीना की जोड़ी इस गाने में कमाल की लग रही है। कपिल का यह अब तक का सबसे नया और अनदेखा रोमांटिक अवतार है, जिसमें उनकी पगड़ी वाला लुक उनके स्क्रीन प्रेज़ेंस में एक नई ताज़गी और आकर्षण जोड़ देता है। हीरा के साथ उनकी केमिस्ट्री बेहद सहज, गहरी और खूबसूरती से मेल खाती नज़र आती है, जो इस गाने को सुरों के साथ-साथ नज़ारों का भी शानदार तोहफा बना देती है। यह गाना डिजीवी ने कम्पोज़ किया है, जिसकी सुरीली और भावनाओं से भरी धुन एक अमर प्रेम कहानी का एहसास कराती है।

केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने नागालैंड के लिए 645 करोड़ के विकास पैकेज का अनावरण किया

कोहिमा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'एक्ट ईस्ट विजन' से प्रेरित केंद्रीय संचार और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने शुक्रवार को नागालैंड में 645 करोड़ रुपए से अधिक की विकास परियोजनाओं का अनावरण किया। पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री गुरुवार को नागालैंड के तीन दिवसीय दौरे पर दीमापुर पहुंचे। इस दौरान सिंधिया ने राज्य के लिए एक प्रमुख विकास पैकेज का अनावरण किया। इस दिन 202 करोड़ रुपए से अधिक की पूरी हो चुकी परियोजनाओं का उद्घाटन और लगभग 443 करोड़ रुपए की नई पहलों की आधारशिला रखी गई, जिससे कुल निवेश 645 करोड़ रुपए से अधिक हो गया। भारत सरकार द्वारा पूर्वोत्तर में रणनीतिक संपर्क बढ़ाने पर निरंतर ध्यान केंद्रित करने के तहत, प्रमुख सड़क गलियारों को मजबूत करने और प्रमुख मार्ग उन्नयन के माध्यम से हवाई अड्डों से जुड़ी कनेक्टिविटी में सुधार पर विशेष जोर दिया गया है। पूर्वोत्तर के लिए प्रधानमंत्री मोदी के परिवर्तनकारी दृष्टिकोण पर प्रकाश डालते हुए सिंधिया ने कहा कि एक्ट ईस्ट नीति पर नए सिरे से जोर देने से पूरे क्षेत्र में विकास को गति मिली है, इससे विकास पथ को नया आकार मिला है और बुनियादी ढांचे के निर्माण में अभूतपूर्व गति आई है।

सिंधिया ने इस बात पर जोर दिया कि नागालैंड की युवा और महत्वाकांक्षी आबादी में न केवल राज्य की प्रगति को गति देने की क्षमता है, बल्कि भारत की समग्र विकास गाथा में भी महत्वपूर्ण योगदान देने की क्षमता है। पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री द्वारा उद्घाटन की गई 202 करोड़ रुपए की परियोजनाओं में 24.46 करोड़ रुपए की लागत से 132 केवी सब-स्टेशन अपग्रेड, नागराजन (दीमापुर), 20 करोड़ रुपए की लागत से आवासीय सुविधाओं के साथ शिक्षक प्रशिक्षण और परीक्षा केंद्र, 18.95 करोड़ रुपए की लागत से 190 स्कूलों में आईसीटी अवसंरचना शामिल हैं। केंद्रीय मंत्री ने स्वास्थ्य, खेल, नवाचार, ऊर्जा और प्रमुख सड़क विकास को कवर करते हुए लगभग 443 करोड़ रुपए की दस नई परियोजनाओं की आधारशिला भी रखी। जिन अन्य परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया।

किसानों की आजीविका को बेहतर बनाने के लिए कर रही है एआई टूल्स का इस्तेमाल

नई दिल्ली। सरकार कृषि क्षेत्र की समस्याएं हल करने, खेती की पैदावार बढ़ाने, खेती को टिकाऊ बनाने और किसानों की आय सुधारने के लिये 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स' यानी एआई का उपयोग कर रही है। इसी उद्देश्य से 'डेवलपमेंट इनोवेशन लैबइंडिया' के साथ मिलकर एक एआई-आधारित परीक्षण किया गया। इसके तहत खरीफ 2025 के लिये 13 राज्यों के कुछ क्षेत्रों में स्थानीय मानसून आने के समय का पूर्वानुमान तैयार किया गया।

कृषि और किसान कल्याण राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर के अनुसार, एक ओपन-सोर्स ब्लेंडेड मॉडल का इस्तेमाल किया गया। इसमें 'न्यूरल-जीसीएम', 'यूरोपीय सेंटर फॉर मीडियम-रेंज वेदर फोरकास्ट्स' यानी ईसीएमडब्ल्यूएफ का आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस फोरकास्टिंग सिस्टम (एआईएफएस) प्रणाली और भारतीय मौसम विभाग के 125 वर्ष के वर्षा आंकड़े शामिल किए गए। ये पूर्वानुमान केवल इस बात की सम्भावना बताते थे कि आपके क्षेत्र में मानसून कब शुरू होगा। यह जानकारी किसानों के लिए इसलिए जरूरी है क्योंकि इसी के आधार पर बुवाई की तिथि तय होती है। स्थानीय मानसून पूर्वानुमान एम-किसान पोर्टल के माध्यम से एसएमएस भेजकर 13 राज्यों के 3,88,45,214 किसानों तक पांच भाषाओं (हिन्दी, उड़िया, मराठी, बांग्ला और पंजाबी) में पहुंचाए गए। पूर्वानुमान भेजने के बाद मध्य प्रदेश और बिहार में किसान कॉल सेंटरों के द्वारा किसानों से टेलीफोन पर प्रतिक्रिया ली गई। सर्वे में पाया गया कि लगभग 31 से 52 प्रतिशत किसानों ने इन पूर्वानुमानों के आधार पर अपनी बुवाई की योजनाएं बदलीं। इसमें जमीन की तैयारी, बुवाई के समय, फसल चयन और अन्य आवश्यक इनपुट बदलना शामिल था।

■ न्यूज गैलरी

सीएम यादव ने सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर दी बधाई

मुख्यमंत्री ने सैनिक कल्याण के लिए क्यूआर कोड से 11 हजार रुपये किए भेंट

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर सभी को हार्दिक बधाई दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि यह दिन सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि देने के साथ सेना कल्याण कोष में योगदान के लिए हम सभी को प्रेरित करता है। उन्होंने क्यूआर कोड से सैनिक कल्याण के लिए ऑनलाइन प्रक्रिया से 11 हजार रुपये की राशि भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी से आह्वान किया कि शहीद सैनिकों के परिवारों और शारीरिक रूप से अक्षम सैनिकों के कल्याण के लिए अपना सहयोग दें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर मुख्यमंत्री निवास में ब्रिगेडियर अरुण नायर सेना मेडल (से.नि) और संचालक, सैनिक कल्याण बोर्ड ने झंडा लगाकर स्मृति चिन्ह (मोमेन्टो) भेंट किया। सैनिक कल्याण बोर्ड के श्री आर.एन. सिंह तोमर, श्री ग्रीश चंद्र यादव, श्री शैलेश कुमार चौकसे, श्री संजय भील और श्री जसवीर सिंह भी उपस्थित रहे।

कार को बचाने में रेड बस डिवाइडर पर चढ़ी

राजधानी के हलालपुर की घटना, चालक-कंडक्टर और आधा दर्जन यात्री सुरक्षित

भोपाल/नवप्रदेश। बैरागढ़ से भोपाल की ओर आ रही एमपी-04-पीए-3871 नंबर बेकाबू होकर डिवाइडर पर चढ़ गई। हादसा कोहेफिजा थाना क्षेत्र में हुआ। बस अवधपुरी की ओर जा रही थी। बस में चालक, कंडक्टर सहित करीब आधा दर्जन यात्री सवार थे। गनीमत रही कि किसी को चोट नहीं आई और बड़ा हादसा टल गया। यह हादसा दोपहर 3ः15 बजे की बताई जा रही है।

बस मोड़ते ही चढ़ गई डिवाइडर पर

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार एक कार अचानक बस के सामने आ गई। कार चालक को बचाने के लिए बस चालक ने तुरंत गाड़ी मोड़ी, लेकिन तेजी ज्यादा होने से बस डिवाइडर पर चढ़ गई। झटका इतना जोरदार था कि बस के आगे के दोनों पहिए बाहर निकल गए और विंडशील्ड ग्लास भी टूटकर बाहर आ गया।

पुलिस मौके पर, क्रेन से हटाई जा रही बस

सूचना मिलते ही कोहेफिजा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। थाना प्रभारी केजी शुक्ला ने बताया कि बस के डिवाइडर पर चढ़ने के बाद हम क्रेन से बस को सड़क से हटाने का प्रयास कर रहे हैं। सभी यात्री सुरक्षित हैं। हादसे के चलते कुछ देर तक आवागमन प्रभावित रहा। पुलिस ने बस और कार चालक के बयान दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रन भोपाल रन में हजारों लोगों ने दौड़ लगाई: टीटी नगर स्टेडियम से फ्लैग ऑफ

भोपाल/नवप्रदेश। राजधानी में रविवार सुबह फिटनेस का जुनून चरम पर दिखा। 'दौड़ हिंदुस्तान के दिल लिए' टैगलाइन के साथ आयोजित 11वें रन भोपाल रन में इस बार भी हजारों प्रतिभागियों ने दमदार दौड़ लगाई। हर आयु वर्ग के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण व स्वच्छता का संदेश दिया। इवेंट के मुख्य उद्देश्य- स्वच्छ भारत, कार्बन फुटप्रिंट कम करना, जीरो वेस्ट अभियान, ऑर्गन डोनेशन, तंबाकू त्याग और रीयूज-रिसाइकिल-रिड्यूस सिद्धांत को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम का फ्लैग ऑफ टीटी नगर स्टेडियम में चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग ने किया। उन्होंने कहा- ÷रन भोपाल रन, भोपालवासियों के जज्बे का प्रतीक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फिट इंडिया-हिट इंडिया अभियान को इससे और मज़बूती मिलेगी।%सारंग के मुताबिक, शहर के हजारों नागरिकों ने दौड़कर स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता

सोमवार से दो दिन मोहन सरकार खजुराहो में, विभागों की समीक्षा होगी

नौ को कैबिनेट बैठक

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव दो दिनों तक खजुराहो में विभागीय समीक्षा बैठकों और कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता करेंगे। इस दौरान वे लाड़ली बहना सम्मेलन समेत कई विकास और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी शामिल होंगे।

भोपाल/नवप्रदेश। प्रदेश की डॉ. मोहन सरकार दो दिन खजुराहो में रहेगी। सोमवार से दो दिन मुख्यमंत्री विभागों की समीक्षा करेंगे। मंगलवार को कैबिनेट बैठक भी खजुराहो में होगी। सोमवार को खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की समीक्षा के साथ शुरूआत होगी। इसी क्रम में औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, राजस्व, नगरीय विकास एवं आवास, तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार, जनजातीय कार्य, अनुसूचित जाति कल्याण और खनिज विभाग की समीक्षा की जाएगी। मंगलवार को मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक होगी, जिसमें महत्वपूर्ण निर्णय लिए जागे। इसी दिन सीसीआईपी की बैठक और लोक निर्माण एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के दो वर्षों में हुए कार्यों की मुख्यमंत्री द्वारा समीक्षा की जाएगी। इससे पहले दो और तीन दिसंबर को भी मुख्यमंत्री ने आधा दर्जन विभागों की समीक्षा बैठक की थी।

लाडली बहना सम्मेलन में होंगे शामिल

मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को छतरपुर जिले के राजनगर के सती की मढ़िया में लाडली बहना सम्मेलन में भी शामिल होंगे। सम्मेलन में मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा प्रदेश की 1.26 करो? से अधिक लाडली बहनों के खाते में माह दिसंबर की राशि अंतरित की जाएगी। मुख्यमंत्री लाडली बहनों से संवाद भी करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव खजुराहो में अन्य कार्यक्रम में भी भाग लेंगे। इसमें खजुराहों में आदिवर्त संग्रहालय का भ्रमण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम। महाराजा छत्रसाल और सरदार वल्लभ भाई पटेल की मूर्ति का अनावरण। पन्ना टाइगर रिजर्व कुटनी रिसॉर्ट डैम एवं रनेह फॉल का भ्रमण। 27055 लाख के नौ विकास कार्यों का भूमि-पूजन। 24010 लाख के 20 विकास कार्यों का लोकार्पण। राजनगर के सती की म?िया में लाडली बहना सम्मेलन में विकास पर केंद्रित प्रदर्शनी और लाडली बहनों के खातों में राशि अंतरण और हितलाभ वितरण के कार्यक्रम भी होंगे।

शीतलहर: बर्फीली हवाओं ने बढ़ाई कंपकंपी, 2 दिन और अलर्ट

21 शहरों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से नीचे

मध्यप्रदेश में उत्तर से आ रही बर्फीली हवाओं के कारण शीतलहर का असर तेज हो गया है। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर समेत 21 शहरों में तापमान 10 डिग्री से नीचे दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने अगले दो दिनों तक कई जिलों में शीतलहर और कोल्ड वेव का अलर्ट जारी किया है।

भोपाल/नवप्रदेश। मध्यप्रदेश में एक बार फिर कड़ाके की ठंड लौट आई है। उत्तर भारत से आ रही बर्फीली हवाओं के चलते शीतलहर का प्रभाव तेज हो गया है। करीब दो हफ्ते बाद प्रदेश में कोल्ड वेव और कोल्ड डे की स्थिति बनी है। राजधानी भोपाल में शनिवार-रविवार की रात न्यूनतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जबकि इंदौर और ग्वालियर में पारा 8.4 डिग्री तथा जबलपुर में 8.6 डिग्री तक गिर गया। मौसम विभाग ने अगले 48 घंटे के लिए शीतलहर का अलर्ट जारी किया है।

पचमढ़ी सबसे ठंडा, कई जिलों में सिंगल डिजिट तापमान

प्रदेश का एकमात्र हिल स्टेशन पचमढ़ी बीती रात सबसे ठंडा रहा, जहां तापमान 5.4 डिग्री दर्ज किया गया। उमरिया में 6.1 डिग्री, राजगढ़ में 6.6 डिग्री और रीवा में 6.8 डिग्री तापमान रिकॉर्ड हुआ। मलाजखंड, मंडला, रायसेन, बैतूल, सतना, सीधी और दमोह सहित कुल 21 शहरों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से नीचे रहा।

अगले दो दिन अलर्ट मोड पर मौसम विभाग

मौसम विभाग के अनुसार रविवार को भोपाल, सीहोर, राजगढ़ और शाजापुर में तेज सर्द हवाओं के साथ शीतलहर का असर रहेगा। वहीं सोमवार को भोपाल, राजगढ़, शाजापुर, सीहोर, सिवनी और शहडोल में कोल्ड वेव की स्थिति बन सकती है। ठंडी हवाओं की रफ्तार बढ़ने से ठिठुरन और बढ़ने की संभावना जताई गई है। वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में बर्फबारी और बारिश हुई है। इसके बाद पहाड़ों से निकलकर आने वाली बर्फीली हवाएं सीधे मध्यप्रदेश पहुंच रही हैं। पिछले दो दिनों से यही हवाएं प्रदेश में ठंड का असर बढ़ा रही हैं।

इन संभागों में ठंड का सबसे ज्यादा प्रभाव

ग्वालियर, चंबल, उज्जैन और सागर संभाग बीते दो दिनों से सबसे ज्यादा ठंड की चपेट में हैं। उत्तर भारत से सीधे सर्द हवाएं आने के कारण इन इलाकों में दिन और रात दोनों समय तापमान औसत से नीचे बना हुआ है।

दिसंबर-जनवरी में और बढ़ेगी ठंड

मौसम विभाग का कहना है कि इस साल ठंड का असर सामान्य से ज्यादा रहेगा। भोपाल में नवंबर में ही 84 साल पुराना रिकॉर्ड टूट चुका है, जबकि इंदौर में 25 साल में इतनी ठंड पहली बार दर्ज की गई। विशेषज्ञों के मुताबिक दिसंबर और जनवरी ठंड के लिहाज से सबसे अहम महीने होते हैं और इस दौरान शीतलहर और मावठा दोनों का असर देखने को मिल सकता है। बीती रात इकलौता हिल स्टेशन पचमढ़ी सबसे ठंडा रहा। यहां तापमान 5.4 डिग्री दर्ज किया गया। उमरिया में 6.1 डिग्री, राजगढ़ में 6.6 डिग्री, रीवा में 6.8 डिग्री, मलाजखंड में 7.1 डिग्री, मंडला में 7.4 डिग्री, खजुराहो में 7.8 डिग्री, नौगांव, नरसिंहपुर-शिवपुरी में 8 डिग्री, छिंदवाड़ा में 8.4 डिग्री, रायसेन में 8.6 डिग्री, बैतूल में 8.7 डिग्री, सतना में 9.3 डिग्री, सीधी, दमोह और श्योपुर में पारा 9.4 डिग्री रहा। वहीं, सोमवार को भोपाल, राजगढ़, शाजापुर, सीहोर, सिवनी और शहडोल में कोल्ड वेव चलेगी।

वेस्टर्न डिस्टरबेंस वजह

मौसम विभाग के अनुसार, वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) की वजह से पहाड़ी राज्य- हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में बर्फबारी-बारिश हुई है। यहां से सर्द हवाएं एमपी में आ रही है। पिछले 2 दिन से सर्द हवाएं चल रही हैं। 24 घंटे के दौरान भोपाल, राजगढ़, सीहोर, शाजापुर और शहडोल में शीतलहर का असर देखने को मिला। वहीं, इंदौर, सिवनी, शाजापुर, नरसिंहपुर और बैतूल में ठंडा दिन रहा। शनिवार को भी कई शहरों में कोल्ड वेव की स्थिति बनी रही।

राजधानी में चाकू की नोक पर मोबाइल-स्कूटी लूटी थी

पुलिस ने चार आरोपी को गिरफ्तार किया, देर रात राहगीर से की थी लूट

भोपाल/नवप्रदेश। शाहजहानाबाद थाना पुलिस ने राहगीर से चाकू की नोक पर की गई लूट का पर्दाफाश कर दिया है। पुलिस ने लूट में शामिल 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनके कब्जे से लूटी गई एक्सेस स्कूटी, चाकू और घटना में प्रयुक्त वाहन बरामद किए गए हैं। एक अन्य आरोपी अभी फरार है, जिसकी तलाश जारी है।

ऐसे दिया वारदात को अंजाम

घटना 20 नवंबर की रात करीब 3 बजे की है। फरियादी मोहम्मद फैजान (19), निवासी हैदरगढ़ (उत्तरप्रदेश) अपने साथी आदिल के साथ प्लेटफॉर्म नंबर-01 पर भोजन देकर वापस काजी कैंप लौट रहा था। तभी नादरा बस स्टैंड से 4 बदमाश दो गाड़ियों पर उनका पीछा करने लगे।

मेट्रो कार्य स्थल के पास उन्होंने स्कूटी को रोककर फैजान और उसके साथी के साथ मारपीट की, गालियां दीं और चाकू दिखाकर मोबाइल छीन लिया। आरोपी फैजान की बिना नंबर की स्कूटी भी लेकर फरार हो गए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने धारा 309(6), 126(2), 296(ए), 115(2), 351(2), 3(5) बीएनएस के तहत केस दर्ज किया था। पुलिस आयुक्त हरिनारायण चारी मिश्र के निर्देश पर शाहजहानाबाद पुलिस ने सर्चिंग बढ़ाई। सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्य और मुखबिर की सूचना के आधार पर टीम ने आरोपियों को चिह्नित कर गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उन्होंने वारदात कबूल की।

राजस्थान की फैशन डिजाइनर ने एमपी के डीजीपी को भेजा लीगल नोटिस

भोपाल/नवप्रदेश। राजस्थान की रहने वाली एक फैशन डिजाइनर महिला ने मध्यप्रदेश के पुलिस मुख्यालय भोपाल की सीआईडी शाखा में पदस्थ एआईजी राजेश मिश्रा पर 30.59 लाख की धोखाधड़ी का आरोप लगाया था। इस मामले में अब तक पुलिस में शिकायत और सभी तथ्य देने के बावजूद एआईजी के खिलाफ कोई मुकदमा दर्ज नहीं किया गया है। इस पर पीड़िता ने अब मध्यप्रदेश के डीजीपी कैलाशा मकवाना को लीगल नोटिस भिजवाया है। इसमें आरोप है कि विधिवत शिकायत, ईमेल्स, चैट्स और अन्य डिजिटल साक्ष्य देने के बावजूद अभी तक कोई एफआईआर नहीं हुई है। पुलिस मुख्यालय द्वारा राजस्थान की फैशन डिजाइनर महिला के द्वारा लगाए गए आरोपों की जांच की जा रही है। जिस संदर्भ में पीड़िता को 18 नवंबर को नोटिस देकर साक्ष्यों के साथ अपने बयान दर्ज करवाने के लिए 21 नवंबर को पुलिस मुलयालय बुलाया गया था। जिसके बाद अब पीड़िता ने आरोप लगाया है कि जांच के नाम पर पूरे मामले को टाला जा रहा है। कुछ वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एआईजी राजेश मिश्रा को बचा रहे हैं। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि पुलिस ने जांच के नाम पर मामले को लंबा खींचते हुए समझौते का दबाव बनाने की कोशिश की। डीजीपी को भेजे लीगल नोटिस में चेतावनी दी गई है

साढ़े 5 घंटे तक जाम रहीं भोपाल की सड़कें

भारत टॉकीज से ऐशबाग तक इंच-इंच रेंगी गाड़ियां; बुजुर्ग-महिलाएं और बच्चे रोए लेकिन नहीं दिखी पुलिस

भोपाल/नवप्रदेश। भोपाल में रविवार को भारत टॉकीज से लेकर सेंट्रल लाइब्रेरी, बाग उमराव दूल्हा, ऐशबाग, बरखेड़ी और जिंसी तक की सड़कें साढ़े 5 घंटे से ज्यादा समय तक जाम रहीं। ट्रक, बस, कार और मोटरसाइकिलें एक-दूसरे से गुत्थमगुत्था नजर आईं। महिलाएं और बुजुर्ग खासे परेशान रहे। कई बच्चे तो भूख-प्यास से रोने लगे।

दोपहर एक बजे से शाम 6 बजे तक गाड़ियां इंच-इंच सरकती रहीं। धक्का-मुक्की, वाहनों की टक्कर और आपसी विवाद के बीच कई जगह वाहन चालक आपस में भिड़ते रहे। लेकिन पूरे रूट पर कहीं भी ट्रैफिक पुलिस या स्थानीय थानों का अमला नहीं दिखा।

इस रोड से बाग उमराव दूल्हा, पुष्पा नगर, अशोका गार्डन, भोपाल जंक्शन, महामाई का बाग, सुंदर नगर, कम्मू का बाग में रहने वाली करीब चार लाख की आबादी रोज गुजरती है। बीते सवा साल से बोगदा पुल से वाहनों की आवाजाही बंद है। ऐशबाग की पुलिया भी संकरी है। इसकी वजह से अक्सर यहां जाम लग जाता है। लेकिन न तो ट्रैफिक पुलिस का इस तरफ ध्यान है और न ही स्थानीय प्रशासन का।

जीएमसी की हिंसक घटना की विभाग को भेजी रिपोर्ट: रैगिंग के एंगल से भी होगी जांच

डे स्कॉलर और हॉस्टलर्स की रविलरी बनी विवाद की वजह

भोपाल/नवप्रदेश। गांधी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) भोपाल में हुई हिंसा की गंभीर घटना अब सिर्फ कैंपस तक सीमित नहीं रही। कॉलेज प्रबंधन ने पूरे मामले की विस्तृत रिपोर्ट चिकित्सा शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को भेज दी है, जिसके बाद यह मामला अब राज्य स्तर पर पहुंच गया है। रिपोर्ट में घटना की पूरी टाइमलाइन, घायल छात्रों की मेडिकल स्थिति, नामजद आरोपियों की सूची और कॉलेज स्तर पर की गई प्रारंभिक कार्रवाई का उल्लेख भी किया गया है। इस रिपोर्ट के बाद विभागीय स्तर पर जांच और निगरानी और सख्त होने की संभावना है। इस घटना को एक चेतावनी के रूप में देखा जा रहा है, क्योंकि यह मामला मेडिकल कॉलेजों में छात्र सुरक्षा और एंटी-रैगिंग सिस्टम की पोल खोलता नजर आ रहा है।

चिकित्सा शिक्षा विभाग तक पहुंचा पूरा मामला

पूरे प्रकरण की विस्तृत रिपोर्ट चिकित्सा शिक्षा विभाग के अधिकारियों को सौंप दी गई है। जीएमसी प्रबंधन द्वारा भेजी गई रिपोर्ट के अनुसार, 4 दिसंबर की रात कैंपस स्थित सुधामृत कैंटीन में दो गुटों के बीच हिंसक झड़प हुई थी। यह विवाद मैगी बनवाने को लेकर शुरू हुआ, लेकिन कुछ ही मिनटों में यह गंभीर मारपीट में बदल गया। जिसके बाद घायल युगीन चौधरी को तत्काल हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां अब भी उनकी निगरानी की जा रही है। रिपोर्ट के अनुसार विवाद की मुख्य वजह डे स्कॉलर और हॉस्टलर्स के बीच का टशन था। कॉलेज प्रबंधन द्वारा भेजी गई रिपोर्ट में उन छात्रों के नाम भी शामिल हैं, जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इस घटना में शामिल बताए गए हैं। इनमें एमबीबीएस 2023 बैच और 2024 बैच के कई छात्रों के नाम दर्ज किए गए हैं। रिपोर्ट में यह स्पष्ट किया गया है कि यह कृत्य ÷गंभीर अनुशासनहीनता÷ की श्रेणी में आता है और इसे केवल सामान्य छात्र विवाद नहीं माना जा सकता। चिकित्सा शिक्षा विभाग के अधिकारियों को यह भी बताया गया है कि कॉलेज स्तर पर तत्काल आपात बैठक बुलाकर प्राथमिक जांच शुरू कर दी गई थी और प्रथम दृष्ट्या दोषी पाए गए छात्रों को अस्थायी रूप से निलंबित किया गया है

राज्य स्तर से निगरानी की तैयारी

रिपोर्ट मिलने के बाद चिकित्सा शिक्षा विभाग भी हरकत में आ गया है। विभाग अब इस पूरे मामले की स्वतंत्र जांच पर विचार कर रहा है। यह भी संभावना जताई जा रही है कि एक राज्य स्तरीय समिति गठित की जा सकती है, जो यह जांच करेगी कि कॉलेज में एंटी-रैगिंग गाइडलाइन्स का कितना पालन हो रहा है। विभागीय अधिकारियों का मानना है कि यदि ऐसे मामले लगातार सामने आते हैं, तो यह पूरे मेडिकल एजुकेशन सिस्टम की छवि को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

स्वत्वाधिकारी,प्रकाशक,मुद्रक एवं संपादक यशवंत धोटे द्वारा श्री बालाजी प्रिंटर्स प्लाट नं. 03 नेशनल प्रेस एरिया लिंक रोड नं. 3 से मुद्रित कर ई -2/237 अरेरा कॉलोनी भोपाल से प्रकाशित मो. 9425237314 Email- navpradeshbhopal@gmail.com (न्याय क्षेत्र भोपाल)